हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 345 | बेमेतरा, शुक्रवार 01 अगस्त 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

संक्षिप्त समाचार

नीतीश कुमार ने आशा और ममता कार्यकर्ताओं को दिया तोहफा

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सभी वर्ग के लोगों को रिझाने में लगे हुए हैं।उन्होंने आशा और ममता कार्यकर्ताओं के लिए बड़ी घोषणा की। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और भाजपा के गठबंधन वाली सरकार के मुखिया नीतीश ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि अब आशा कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहन राशि 1,000 रुपये की जगह 3,000 रुपये दिया जाएगा। ममता कार्यकर्ताओं को प्रति प्रसव 300 रुपये की जगह 600 रुपये मिलेगा। नीतीश ने एक्स पर लिखा, नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से हमलोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में आशा और ममता कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसे ध्यान में रखते हुए तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में आशा और ममता कार्यकर्ताओं के अहम योगदान को सम्मान देते हुए उनकी मानदेय राशि में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है।

अलकायदा से जुड़ी 30 वर्षीय संदिग्ध आतंकी महिला बेंगलुरु से गिरफ्तार

बेंगलुरु। गुजरात की आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने अलकायदा से जुड़ी एक 30 वर्षीय आतंकी महिला को गिरफ्तार किया है। महिला की पहचान शमा परवीन के रूप में हुई है। महिला अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट से जुड़े आतंकी मॉड्यूल की मुख्य साजिशकर्ता है, उसे गुप्त सूचना के बाद कर्नाटक के बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया है। परवीन पर पूरे मॉड्यूल को चलाने का आरोप है। वह कर्नाटक से एक्यूआईएस संचालन का समन्वय करने वाली मुख्य संचालक थी। रिपोर्ट के मुताबिक, परवीन को गिरफ्तार करने से पहले एटीएस 23 जुलाई को 4 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया था। सभी की उम्र 20 से 25 साल के बीच है। इनकी पहचान मोहम्मद फरदीन, सैफुल्लाह कुरैशी, जीशान अली और मोहम्मद फैक के रूप में हुई है।

आंध्र प्रदेश के कोनासीमा में निजी स्कूल के प्रधानाचार्य ने छात्रा का रेप किया

अमरावती। आंध्र प्रदेश के डॉ भीमराव अंबेडकर कोनासीमा जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक निजी स्कूल के प्रधानाचार्य जयराजू पर स्कूल की नाबालिग छात्रा का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। छात्रा 3 महीने की गर्भवती हो गई है। छात्रा के माता-पिता ने रायवरम पुलिस स्टेशन में एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है। अधिकारियों ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। प्रधानाचार्य को हिरासत में लेकर पूछताछ हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, छात्रा स्कूल में कक्षा 9 की छात्रा है। उसके साथ 4 महीने पहले प्रधानाचार्य ने जबरन रेप किया था।

मुंबई की एनआईए कोर्ट का फैसला

मालेगांव धमाके में साध्वी प्रज्ञा समेत सभी आरोपी बरी हुए.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

2008 मालेगांव विस्फोट विशेष एनआईए अदालत ने पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सातों आरोपियों को बरी किया। 2भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सात आरोपी अदालत में उपस्थित हुए थे। विशेष एनआईए अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में नाकाम रहा, आरोपी संदेह का लाभ पाने के हकदार। यह घटना महाराष्ट्र के सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील मालेगांव शहर में हुए एक शक्तिशाली विस्फोट के लगभग 17 साल बाद हुई है, जिसमें छह लोग मारे गए थे और 100 से अधिक घायल हो गए थे। भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कहा कि अदालत द्वारा बरी किया जाना न केवल उनकी, बल्कि हर भगवा की जीत है। प्रज्ञा ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित समेत सभी सात आरोपी, जिन पर गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता के तहत अपराधों के लिए मुकदमा चल रहा था, अदालत में मौजूद थे। मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी इस मामले के अन्य आरोपी थे। इस मामले की जाँच करने वाली राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) ने आरोपियों के लिए उचित सजा की माँग की थी। यह विस्फोट 29 सितंबर, 2008 को मालेगांव के एक मुस्लिम बहुल इलाके के एक चौक पर हुआ था। यह रमज़ान का महीना था, जब मुस्लिम समुदाय रोज़ा रखता है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यह संदेह था कि विस्फोट के पीछे के लोगों ने सांप्रदायिक दरार पैदा करने के लिए, हिंदू नवरात्रि उत्सव से ठीक पहले, मुस्लिम पवित्र महीने का समय चुना था। स्थानीय पुलिस से जाँच महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) को सौंप दी गई। हालाँकि यह दावा किया गया था कि विस्फोट के बाद 101 लोग घायल हुए थे, एनआईए अदालत ने फैसला सुनाया कि केवल 95 लोग घायल हुए थे, और यह भी कहा कि कुछ चिकित्सा प्रमाणपत्रों में हेराफेरी की गई थी। फैसला सुनाते हुए, विशेष न्यायाधीश ए.के. लाहोटी ने कहा: अभियोजन पक्ष यह साबित करने में विफल रहा कि बम मोटरसाइकिल पर लगाया गया था। यह संभव है कि विस्फोटक उपकरण कहीं और रखा गया हो। इस बात का कोई ठोस सबूत नहीं है कि आरडीएक्स कश्मीर से लाया गया था या ले जाया गया था। जाँच यह पता नहीं लगा सकी कि मोटरसाइकिल किसने खड़ी की थी या वह वहाँ कैसे पहुँची।न्यायाधीश ने आगे कहा घटनास्थल की जाँच के दौरान, विस्फोट स्थल के पास एक महत्वपूर्ण पत्थर ज़ब्त नहीं किया जा सका, संभवत: घटना के बाद मची अफ़रा-तफ़री के कारण। घटनास्थल पर फ़िंगरप्रिंट के नमूने एकत्र नहीं किए गए। एकत्र किए गए साक्ष्य संभवत: क्षतिग्रस्त या दूषित हो सकते हैं। हालाँकि बाइक के चेसिस से छेड़छाड़ नहीं की गई थी, लेकिन जाँच के लिए उसे ठीक से ठीक भी नहीं किया गया था।

आतंकवाद कभी भगवा नहीं था और न ही कभी होगा-फडणवीस

17 साल बाद एनआईए की विशेष अदालत ने पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट के इस फैसले के बाद राजनीतिक गलियारे में बयानबाजी तेज हो गई है। एक तरफजहां तरफ भाजपा नेताओं ने इस फैसले का स्वागत किया। साथ ही 'भगवा आतंकवाद' के मुद्दे पर विपक्ष को आड़े हाथ लेना शुरू कर दिया है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस फिर से इस फैसले को चुनौती देने की बात पर जोर दे रही है। आइए जानते है कि इस मामले में किसने क्या कहाएनआईए कोर्ट के फैसले के बाद तेज होती सियासत के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता... शाह की दो टूक

भारत में आतंकवाद के 'पतन' के कगार पर होने की बात दोहराते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में अपने संबोधन में कहा कि हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकते। पहलगाम नरसंहार और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस ने कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान को दे दिया, लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार इसे वापस लेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की उदार नीतियों और तुष्टिकरण के रवैये ने देश में आतंकवाद को पनपने और फलने-फूलने का मौका दिया। सौभाग्य से, अब हमारे पास ऐसा नेतृत्व है जो केवल दस्तावेज़ों पर निर्भर रहने के बजाय निर्णायक कार्रवाई करता है, ब्रह्मोस मिसाइल तैनात करता है।

डिप्टी सीएम ने चीनी ई-कॉमर्स कंपनी से माफी की मांग की

भगवान जगन्नाथ की छवि वाले पायदान बेचने पर मचा बवाल

भुवनेश्वर/ एजेंसी

ओडिशा में उस वक्त बड़ा विवाद खड़ा हो गया, जब पता चला कि चीनी ई-कॉमर्स वेबसाइट अलीएक्सप्रेस भगवान जगन्नाथ की तस्वीर वाले पायदान बेच रही है। राज्य की उप मुख्यमंत्री पार्वती परिदा ने इस कृत्य को 'अपमानजनक' बताया और अलीएक्सप्रेस से माफी की मांग की। उन्होंने एक्स पर उन्होंने लिखा- महाप्रभु जगन्नाथ हर ओडिया के दिल और आत्मा से जुड़े हैं। मैं चीनी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अली एक्सप्रेस द्वारा भगवान जगन्नाथ की तस्वीर वाले पायदान बेचने की कड़ी निंदा करती हूं। इसे तुरंत हटाया जाए और भक्तों से माफी मांगी जाए। इसके बाद अलीएक्सप्रेस ने कांग्रेस विधायक सोफिया फिरदौस की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उसने वह उत्पाद हटा दिया गया है। अलीएक्सप्रेस ने लिखा - हम आपकी रिपोर्ट की सराहना करते हैं। इस उत्पाद की समीक्षा की गई है और इसे हटा दिया गया है। आपके सुझावों से हमें अपने प्लेटफॉर्म को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। धन्यवाद कि आपने हमें एक सुरक्षित और सम्मानजनक ऑनलाइन अनुभव बनाने में सहयोग दिया। फिरदौस ने अपनी पोस्ट में कहा- भगवान जगन्नाथ की पवित्र तस्वीर वाले पायदान को अली एक्सप्रेस पर बेचने का यह कृत्य घोर निंदनीय है। यह करोड़ों भक्तों की धार्मिक भावनाओं पर सीधा हमला है। तुरंत कार्रवाई हो और सार्वजनिक माफी मांगी जाए। प्रसिद्ध रेत कलाकार और पद्मश्री पुरस्कार विजेता सुदर्शन पटनायक ने भी इस घटना की निंदा की। उन्होंने लिखा- जय जगन्नाथ। हम दुनियाभर के सभी भक्तों से अपील करते हैं कि इस अस्वीकार्य कृत्य के खिलाफआवाज उठाएं।

लालू यादव को सुप्रीम कोर्ट से झटका, लैंड फॉर जॉब स्कैम केस में कार्यवाही पर रोक से इनकार

नई दिल्ली। नौकरी के बदले जमीन (लैंड फॉर जॉब) घोटाले में फंसे राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें एक और बड़ा झटका देते हुए निचली अदालत में चल रही मुकदमे की कार्यवाही पर रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने लालू यादव की याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि इस मामले से जुड़ी एक याचिका पहले से ही दिल्ली हाई कोर्ट में लंबित है।

तेजस्वी की बढ़ी टेंशन

मुकेश सहनी ने 60 सीटों पर ठोका दावा

नई दिल्ली। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी ने एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घोषणा करते हुए घोषणा की कि उनकी पार्टी आगामी 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के ज़रिए की गई इस घोषणा ने राज्य के गतिशील राजनीतिक परिदृश्य में नई अटकलों और रणनीतिक पुनर्गणनाओं को हवा दे दी है। पोस्ट में कहा गया है कि वीआईपी 2025 में 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, बाकी सभी सीटों पर हमारे सहयोगी दलों के उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। यह संकेत दे रहा है कि वीआईपी की महत्वाकांक्षाएँ बढ़ रही हैं।

ट्रंप की डेड इकोनॉमी वाले बयान पर राहुल ने मोदी को घेरा

हमारी आर्थिक,रक्षा और विदेश नीति को किया बर्बाद...राहुल...

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने पर कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप ने 30-32 बार दावा किया है कि उन्होंने युद्धविराम कराया। उन्होंने यह भी कहा कि पांच भारतीय जेट गिर गए। ट्रंप अब कहते हैं कि वह 25त्न टैरिफलगाएंगे। इस पर पीएम मोदी जवाब क्यों नहीं दे पा रहे हैं? असली वजह क्या है? उनके हाथ में नियंत्रण किसके पास है राहुल गांधी ने कहा कि विदेश मंत्री भाषण देते हैं और कहते हैं कि हमारी विदेश नीति प्रभावशाली है। एक तरफ अमेरिका आपको गाली दे रहा है, दूसरी तरफ चीन आपके पीछे पड़ा है। जब आप अपना प्रतिनिधिमंडल दुनिया में भेजते हैं, तो कोई भी देश पाकिस्तान की निंदा नहीं करता। वे इस देश को कैसे चला रहे हैं? यह पूरी तरह से भ्रम की स्थिति है। पीएम मोदी ने अपने भाषण में ट्रंप और चीन का नाम नहीं लिया। पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख जिन्होंने पहलगाम हमला किया राष्ट्रपति ट्रंप उनके साथ दोपहर का भोजन कर रहे हैं और पीएम मोदी कह रहे हैं कि हमें बड़ी सफलता मिली। ट्रंप के मृत अर्थव्यवस्था वाले बयान पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप सही हैं। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को छोड़कर हर कोई यह जानता है। हर कोई जानता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने एक सही तथ्य कहा है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सुरक्षा बलों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। सुरक्षा बलों ने 2 पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया है। आतंकियों की अभी पहचान नहीं हुई है। एलओसी के पास संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधि का पता चलने के बाद भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पुंछ के देघवार सेक्टर में तलाशी अभियान चलाया था। इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि इलाके में संदिग्ध गतिविधि का पता चलने पर जब तलाशी अभियान चलाया गया तो गोलीबारी शुरू हो गई।

ट्रंप के 25 प्रतिशत टैरिफ पर बोले केंद्रीय वाणिज्य मंत्री

भारत राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगा-पीयूष

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगी। यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के एक दिन बाद कही गई। उन्होंने नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल और हथियार खरीदने के फैसले का हवाला दिया। लोकसभा में बोलते हुए, गोयल ने आगे कहा कि केंद्र सरकार ट्रंप के 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले के प्रभावों की जांच कर रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि केंद्र ने ट्रम्प के बयान पर ध्यान दिया है और वर्तमान में इसके प्रभावों का अध्ययन कर रहा है। सरकार ने कहा कि भारत और अमेरिका पिछले कुछ महीनों से एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर पहुँचने के लिए बातचीत कर रहे हैं। बता दें कि ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत का टैरिफलगाने का ऐलान किया है, जो कि 1 अगस्त 2025 से लागू होगा। ये फैसला भारत और अमेरिका के बीच कूटनीतिक और व्यापारिक रिश्तों में तनाव पैदा कर सकते हैं। आपको बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के चीन और रूस के साथ व्यापार करने पर नाराजगी जताई है। ट्रंप ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है कि भारत हमारा दोस्त है, लेकिन उनके ऊंचे टैरिफ और रूस से सैन्य उपकरण और ऊर्जा खरीद ने उनकी नीतियों को लेकर चिंता है।

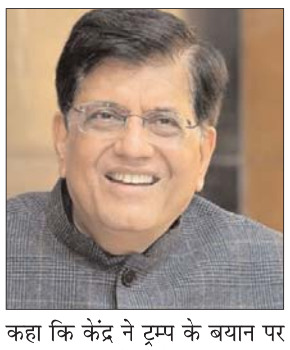

मोदी कैबिनेट का मेगा फैसला

रेलवे का विस्तार, किसानों की आय बढ़ाने को बड़ी सौगात

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय मंत्रीमंडल ने 2025-26 से 2028-29 तक 4 साल की अवधि के लिए 2000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ केंद्रीय क्षेत्र योजना 'राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को अनुदान सहायता' की मंजूरी दी है। केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के इस फैसले की जानकारी दी है। सरकार की ओर से बताया गया है कि वर्ष 2025-26 से 2028-29 तक 4 वर्षों की अवधि के लिए अनुदान सहायता पर 2000 करोड़ रुपये का परिव्यय किया जाएगा। एनसीडीसी चार वर्षों की अवधि में खुले बाजार से 20,000 करोड़ रुपये जुटा सकेगी। एनसीडीसी की ओर से नई परियोजनाओं की स्थापना/संयंत्रों के विस्तार, सहकारी समितियों को ऋण देने और कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण देने हेतु निधियों का उपयोग किया जाएगा। सरकार ने बताया है कि इस कदम से देश भर में डेयरी, पशुधन, मत्स्य पालन, चीनी, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण और कोल्ड स्टोरेज जैसे विभिन्न क्षेत्रों की 13,288 सहकारी समितियों के 2.9 करोड़ सदस्यों; श्रम और महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों को लाभ मिलेगा। वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) को चार वर्षों के लिए 2,000 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता को मंजूरी दी है। इस कदम से संगठन को ऋण देने के लिए अधिक धन जुटाने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया, एक अच्छे वित्तीय मॉडल को और अधिक समर्थन देने के लिए, मंत्रिमंडल ने एनसीडीसी के लिए चार वर्षों के लिए 2,000 करोड़ रुपये की पूंजी अनुदान सहायता को मंजूरी दी। एनसीडीसी 8.25 लाख से अधिक सहकारी समितियों को ऋण देता है, जिनके 29 करोड़ सदस्य हैं। कुल सदस्यों में से 94 प्रतिशत किसान हैं। मंत्री ने कहा कि इस वित्तीय सहायता से एनसीडीसी आगे ऋण देने के लिए 20,000 करोड़ रुपये अतिरिक्त जुटाने में सक्षम हो सकेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में एनसीडीसी की ऋण वसूली दर 99.8 प्रतिशत है और एनपीए शून्य है।केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए इटारसी-नागपुर के बीच चौथी रेलवे लाइन की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटारसी और नागपुर के बीच चौथी लाइन को मंजूरी दे दी है। इसका निर्माण दिल्ली और चेन्नई के साथ-साथ मुंबई और हावड़ा को जोड़ने वाले उच्च-घनत्व वाले गलियारे पर किया जाएगा। यह चारों दिशाओं का मिलन बिंदु है। सरकार की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, कैबिनेट ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड राज्यों के 13 जिलों को कवर करने वाली चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

अलुआबाड़ी से न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे लाइन का होगा विस्तार

कैबिनेट ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अलुआबाड़ी से न्यू जलपाईगुड़ी तक रेलवे लाइन के विस्तार पर भी बात की। उन्होंने कहा, अगला काम अलुआबाड़ी और न्यू जलपाईगुड़ी के बीच 57 किलोमीटर लंबी तीसरी और चौथी रेलवे लाइन का विस्तार है। यह पूर्वोत्तर की कनेक्टिविटी के लिए बेहद ज़रूरी है... अलुआबाड़ी बिहार से बंगाल के सिलीगुड़ी तक फैला है। इन लाइनों को मज़बूत करना बेहद जरूरी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने छत्रपति संभाजी नगर से परभणी तक रेलवे लाइन के दोहरीकरण की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, मराठवाड़ा कनेक्टिविटी के लिहाज से यह परियोजना बेहद महत्वपूर्ण है।

*संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह: नीति आयोग के 5 विकास सूचकांकों में से शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने के लिए दंतेवाड़ा को मिला रजत पदक

- *आकांक्षी जिला विकासखण्डों को प्रदाय मेडल सूची में कुआकोंडा को मिला कांस्य पदक*
- जिले को यह सम्मान दिलाने में मैदानी कर्मचारियों के अथक प्रयास और समर्पित सेवा भाव अभूतपूर्व-विधायक अटामी शिक्षा, महिला बाल विकास, कृषि और स्वास्थ्य एवं एनआरएलएम के 58 से अधिक कर्मचारियों को किया गया सम्मान

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

ऑडिटोरियम जावंगा गीदम में बीते गुरुवार को नीति आयोग के प्रतिष्ठित आंकाक्षी जिला और ब्लॉक कार्यक्रमों के अन्तर्गत संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। जिले की इस उल्लेखनीय प्रगति पर विभिन्न सरकारी एजेंसियों, जनप्रतिनिधियों तथा आमजनों के सामुहिक प्रयासों प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि क्षेत्र के विधायक चैतराम अटामी ने अपने उद्बोधन में मैदानी कर्मचारियों के योगदान को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि उनके अथक प्रयास और समर्पित सेवा भाव से यह उपलब्धि अर्जित हुई है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुसार पिछड़े जिलों के सर्वांगीण विकास के लिए संपूर्णता अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य केन्द्र और राज्य की सभी जनहितकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक षत प्रतिषत पहुंचाना हैं और हमें प्रसन्नता है कि आज जिला जिन विकास की ऊंचाइयों तक पहुंचा है इन्हीं योजनाओं का परिणाम है और इसके लिए सभी विभाग के मैदानी अमले जनप्रतिनिधि अधिकारी कर्मचारी बधाई के पात्र है। जिले को आज नीति आयोग की ओर से आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत जो सम्मान दिया गया है इस संबंध में हमारा प्रयास रहेगा कि भविष्य में दंतेवाड़ा जिले को विकास के आदर्श मॉडल जिला के रूप में स्थापित करेंगे। इस संबंध में उन्होंने जिले में शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य स्वरोजगार, पर्यटन संबंधी नवाचारी गतिविधियों का उल्लेख करते हुए कहा कि हम सभी की जिम्मेदारी है कि जिले के विकास में तनमन से अपना योगदान देवें। जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी ने भी इस सम्मान के लिए अधिकारी कर्मचारियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दन्तेवाड़ा को विकास के क्षेत्र में एक अलग नाम पहचान देने में अधिकारी कर्मचारियों जनप्रतिनिधियों की बड़ी भूमिका रही है। लोकहितकारी योजनाओं को अंदरूनी क्षेत्रों में पहुंचाना एक बड़ी चुनौती है। लेकिन सभी के सम्मिलित प्रयास से यह संभव हुआ है आगे भी हमारा प्रयास रहेगा कि हम एकजुट होकर सबका साथ सबका विकास मूल मंत्र को लेकर इस लक्ष्य को प्राप्त करेंगें। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने इस मौके पर संपूर्णता अभियान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिला दंतेवाड़ा को नीति आयोग के 5 विकास सूचकांक आईसीडीएस कार्यक्रम के अंतर्गत नियमित रूप से पूरक पोषण लेने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत, कृषि में वितरित मृदा स्वास्थ्य कार्डों की संख्या, शिक्षा में माध्यमिक स्तर पर कार्यात्मक विद्युत सुविधा वाले विद्यालयों का प्रतिशत, शैक्षणिक सत्र शुरू होने के एक महीने के भीतर बच्चों को पाठ्यपुस्तक उपलब्ध कराने वाले स्कूलों का प्रतिशत, स्वास्थ्य में पूर्णतः प्रतिरक्षित बच्चों का प्रतिशत (9-11 माह) (बीसीजीडीपीटी ३ ओपीवी३खसरा 1) टीकाकरण में षत प्रतिषत लक्ष्य प्राप्त करने के लिए रजत पदक प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही राज्य स्तरीय संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह अन्तर्गत आकांक्षी विकासखण्डों में जिले के कुआकोंडा विकासखण्ड को संतृप्तिकरण सूचकांक सूची में कांस्य पदक दिया गया। इसके अलावा पहली तिमाही के भीतर प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत 98 प्रतिशत रहा। इसी प्रकार आंकाक्षी जिला ब्लॉक कार्यक्रम के तहत पहली तिमाही के भीतर एएनसी के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत, (100 प्रतिशत) ब्लॉक में लक्षित जनसंख्या के मुकाबले मधुमेह की जांच कराने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत (100 प्रतिशत), ब्लॉक में लक्षित जनसंख्या के विरुद्ध उच्च रक्तचाप की जांच किए गए व्यक्तियों का प्रतिशत (100 प्रतिशत), आईसीडीएस कार्यक्रम के अंतर्गत पूरक पोषण लेने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत (94.89 प्रतिशत) नियमित रूप से मृदा नमूना संग्रह लक्ष्य के विरुद्ध सृजित मृदा स्वास्थ्य कार्डों का प्रतिशत (100 प्रतिशत), ब्लॉक में कुल स्वयं सहायता समूहों के विरुद्ध परिक्रामी निधि प्राप्त करने वाले स्वयं सहायता समूहों का प्रतिशत (84.69 प्रतिशत) रहा है। उन्होंने आगे कहा कि नीति आयोग द्वारा चिन्हांकित सूचकांकों से संबंधित विभागों के मैदानी कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर स्वास्थ्य, पोषण शिक्षा, कृषि से संबंधित बिन्दुओं पर सराहनीय कार्य किया गया जिसके बलबूते जिले को यह उपलब्धि हासिल हुई है।

रासायनिक उर्वरक अवैध विक्री करने वाले बिचौलियों पर शक्त हो कार्यवाई : गोंगपा

प्रतापपुर /मूक पत्रिका

अनुविभागीय दण्डाधिकारी प्रतापपुर
जिला-सूरजपुर (छत्तीसगढ़)

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी सरगुजा के संभागीय महासचिव चन्द्रदीप कोरचो ने प्रदेश के किसानों की समस्या को लेकर सरगुजा संभाग के समस्त कलेक्टरों के नाम प्रतापपुर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। कोरचो ने कहा प्रदेश सरकार किसान विरोधी है, वर्तमान में प्रदेश के कृषक खेती-बाड़ी के कार्य में लगे हैं लेकिन प्रदेश सरकार किसानों के लिए रासायनिक उर्वरक उपलब्ध कराने में असमर्थ है वहीं निजी दुकानों पर पर्याप्त मात्रा में डीएपी, यूरिया खाद्य मिल रहे हैं, सरगुजा संभाग के अंतर्गत बलरामपुर, सुरजपुर, सरगुजा एवं अन्य जिलों में निजी दुकानों व बिचौलियों के पास पर्याप्त मात्रा में रासायनिक उर्वरक उपलब्ध है। वहीं कृषक निजी दुकानों से अनाप शनाप दामों में खरीदी करने के लिए मजबूर हैं, कृषकों को उचित समय पर डीएपी, यूरिया खाद्य नहीं मिलने से भारी आक्रोश हैं वहीं प्रदेश के कई जिलों में नकली रासायनिक उर्वरक मिला है उसको लेकर किसानों में डर बनी हुई है। अधिकांश किसान छोटे-बड़े निजी दुकानों पर खाद्य लेने पर मजबूर हैं और अवैध विक्री करने वाले बिचौलियों धडल्ले के साथ नकली मिलावटी डीएपी, यूरिया खाद्य बेच रहे हैं जिसका कोई लाइसेंस नहीं है प्रशासन उन पर कोई कार्यवाही नहीं करती है, लेकिन प्रदेश सरकार से बड़ा सवाल है? कि कृषि सहकारी समितियों पर रासायनिक उर्वरक उपलब्ध नहीं है परंतु निजी दुकानों पर पर्याप्त मात्रा में डीएपी, यूरिया खाद्य मिल रहे हैं? सरकार जवाब दे बिचौलियों के पास कहा से रासायनिक उर्वरक उपलब्ध हो रहे हैं, शासन - प्रशासन जल्द किसानों के लिए डीएपी यूरिया खाद्य उपलब्ध कराए, ताकि कृषक निजी दुकानों, बिचौलियों के पास रासायनिक उर्वरक लेने के लिए मजबूर न हो। उचित समय पर शासन प्रशासन किसानों के लिए रासायनिक उर्वरक उपलब्ध नहीं करा पाई तो गोंगपा प्रदेशव्यापी आंदोलन करेंगी। इस दौरान छोटेलाल आयाम ब्लॉक अध्यक्ष प्रतापपुर एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

IIM रायपुर में जननेता अनुज शर्मा देंगे व्याख्यान

ज्ञान–वर्षा सीरीज में आमंत्रित किए गए मुख्य वक्ता

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय जनप्रतिनिधि, बहुप्रशंसित अभिनेता एवं सामाजिक चेतना के सक्रिय हस्ताक्षर धरसीवां विधायक अनुज शर्मा को भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर द्वारा आयोजित Gyan Varsha Series में मुख्य वक्ता (Keynote Speaker) के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह प्रेरणादायक संगोष्ठी शनिवार, 2 अगस्त 2025 को सायं 3:00 बजे से 4:00 बजे तक, IIM रायपुर परिसर में आयोजित की जाएगी।

Gyan Varsha Series, IIM रायपुर की एक विशिष्ट मासिक व्याख्यान श्रृंखला है, जिसके अंतर्गत प्रशासन, नेतृत्व, जनसेवा और सामाजिक सरोकारों से जुड़े प्रभावशाली व्यक्तित्वों को आमंत्रित किया जाता है। यह मंच युवाओं को प्रेरणा देने, विचारों के आदान-प्रदान और नेतृत्व के निर्माण का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। अनुज शर्मा इस कार्यक्रम में ÷जनसरोकार, नेतृत्व और सांस्कृतिक चेतना÷ विषय पर अपने विचार साझा करेंगे। एक जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी संवेदनशीलता, एक अभिनेता के रूप में उनकी रचनात्मकता, और एक जनसेवक के रूप में उनका अनुभव युवाओं के लिए निःसंदेह प्रेरणादायक होगा। इस कार्यक्रम में ढ्ढढ्ढरू रायपुर के छात्रगण, प्राध्यापकगण, संस्थान के अधिकारीगण एवं आमंत्रित विशिष्टजन शामिल होंगे। अनुज शर्मा ने इस अवसर को लेकर कहा ढ्ढढ्ढरू रायपुर जैसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान में युवाओं से संवाद का अवसर पाना मेरे लिए गर्व का विषय है। ज्ञान-वर्षा में भागीदारी के लिए मैं उत्साहित हूं। यह मंच सिर्फ विचारों का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि नेतृत्व की नई दृष्टि गढ़ने का भी माध्यम है।÷अनुज शर्मा की यह भागीदारी न केवल छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और बौद्धिक परंपरा को राष्ट्रीय पटल पर प्रतिष्ठित करेगी, बल्कि यह कार्यक्रम युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व और मूल्यों के प्रति नवचेतना का संचार करेगा।

वाडला गांव को मिली संचार की सौगात, प्रारंभ हुआ जिओ का मोबाइल टॉवर

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के थाना भोपालपटनम क्षेत्रान्तर्गत ग्राम वाडला के ग्रामीणों के लिए एक बड़ी सौगात मिली है। छत्तीसगढ़ शासन की ÷नियद नेल्ला नार÷ योजना और केंद्र सरकार की ÷यूएसओएफ÷ योजना के तहत ग्राम वाडला में जिओ का मोबाइल टॉवर प्रारंभ कर दिया गया है। इससे न केवल वाडला बल्कि पोलेम, मटटीमरका, और गोखुर जैसे आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी संचार सुविधा का लाभ मिलेगा।संचार व्यवस्था की यह बहाली ग्रामीणों के लिए जीवन में नई ऊर्जा लेकर आई है। बेहतर मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सुविधा की उपलब्धता से अब ग्रामीण छात्र शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की

तैयारी में डिजिटल संसाधनों का उपयोग कर सकेंगे। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं को भी रोजगार, ऑनलाइन सेवाओं और सूचना तक त्वरित पहुंच का अवसर मिलेगा।यह पहल सुरक्षा, परिवहन और प्रशासनिक समन्वय की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। अब ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासनिक सेवाएं अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगी, साथ ही आपदा या आपात स्थिति में त्वरित संपर्क संभव हो सकेगा।

जनपद सदस्य पवन कर्मा ने घोटपाल 01 में कन्या आश्रम का किया निरीक्षण

जनपद सदस्य पवन कर्मा प्रतिदिन अपने जनपद क्षेत्र का करते है दौरा *

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले के गीदम विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत घोटपाल 01 मे बीते गुरुवार को कन्या आश्रम शाला घोटपाल का निरीक्षण किया । बच्चों से चर्चा किया ,साथ ही बच्चों से खाने की गुणवत्ता के बारे में पूछा गया।आश्रम का मरम्मत कार्य चल रहा है , धीमी गति से कार्य करने पर ठेकेदार को फोन कर अति शीघ्र मरमत कार्य को पूरा करने हेतु कहा गया। आश्रम में बच्चों को पूछा गया साबुन तेल ब्रश जीबी सब मिलता है कि नहीं बच्चे बोले,सब मिलता है । इस अवसर पर जनपद सदस्य एवं शिक्षक समिति सदस्य पवन कुमार कर्मा एवं क्षेत्र जनपद सदस्य श्रीमती अनीता नेताम जी एवं हॉस्टल अधीक्षक, शिक्षकगण उपस्थित रहे।

कुपोषण उन्मूलन व आंगनबाड़ी सुदृढ़ीकरण पर दिए महत्वपूर्ण निर्देश

- *महिला एवं बाल विकास मंत्री ने ली समीक्षा बैठक*

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले में बीते गुरुवार को छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में उन्होंने विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा करते हुए कई अहम दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने जिले में कुपोषण की दर को कम करने के लिए सभी अधिकारियों को समर्पित भाव से कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि बच्चों, महिलाओं और किशोरी बालिकाओं के पोषण और स्वास्थ्य को लेकर विभाग की जिम्मेदारी बेहद महत्वपूर्ण है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने आगामी छः माह के भीतर जिले में पोषण स्तर में ठोस सुधार लाने के लिए अभियान चलाने, हितग्राहियों के घर-घर जाकर भेंट करने और पर्यवेक्षकों द्वारा सघन निरीक्षण करने के निर्देश दिए। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विभागीय योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचे और इसके लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सक्रिय सहयोग लिया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में जिन आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत की आवश्यकता है, उनकी सूची बनाकर जिला प्रशासन को शीघ्र सौंपी जाए, ताकि आवश्यक मरम्मत कार्य प्राथमिकता से कराए जा सकें। बैठक के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने यह घोषणा भी की कि अगले छह माह बाद वे स्वयं जिले का आकस्मिक निरीक्षण करेंगी और विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे ईमानदारी और समर्पण के साथ योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

विधायक ने रखे महत्वपूर्ण सुझाव-बैठक के दौरान विधायक चैतराम अटामी ने मंत्री के समक्ष पर्यवेक्षकों के रिक्त पदों की पूर्ति का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि इन पदों की कमी के कारण आंगनबाड़ी केंद्रों का शत-प्रतिशत निरीक्षण और प्रत्येक माह की गृह भेंट अभियान प्रभावित हो रहा है, जिससे विभागीय उपलब्धियों में अपेक्षित परिणाम नहीं आ पा रहे हैं। उन्होंने पर्यवेक्षकों की शीघ्र नियुक्ति की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी,जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुंजाम ,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि एवं महिला बाल विकास विभाग के संचालक पदुम सिंह एल्मा, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे, एसडीएम मूलचंद चोपड़ा, जिला कार्यक्रम अधिकारी वरुण नागेश सभी परियोजना अधिकारी व पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

जिला पुलिस प्रशासन विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त, अपराध में इज़ाफ़ा

- जनता नहीं सुरक्षित,शिक्षकों की हो रही हत्या,बढ़ रहे अपराध
- हाल ही में हेमाबंद के शा.हायर सेकेण्डरी स्कूल में मृतक सतीष राय था पदस्थ
- पुलिस प्रशासन नहीं रोक पा रही अपराध, जिले में क्राइम का बढ़ता ग्राफ

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में लगातार बढ़ते हुए अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन हर हथकंडे अपना रहे हैं वहीं दूसरी ओर अपराधीयो के हौसले दिन प्रतिदिन बुलंद हो रहे हैं कि लगातार शिक्षकों के ऊपर हत्या जैसे वारदात को अंजाम दे रहे हैं बहर हाल पूरी वाक्य को लेकर बेमेतरा पुलिस सतर्कता के साथ में कार्य कर रही है वहीं पीड़ित पक्ष के लोगों ने मिडिया से चर्चा के दौरान बताया कि परिवार के ही कुछ सदस्यों के साथ में जमीन विवाद को लेकर धान बुवाई के समय ही विवाद हुआ था जिसमें खुला जान से मार देने की धमकी दिया गया था। शिक्षक की हत्या ग्राम करचुवा खंडसरा पहुँच मार्ग के बीच दिनदहाड़े चाकू मारकर एक शिक्षक की हत्या कर दिया गया,जो हेमाबंद के शा.हायर सेकेण्डरी स्कूल के टीचर है जो ग्राम सुरकी सेंद्री के निवास थे जो वर्तमान में बेमेतरा जिला मुख्यालय में निवासी करते थे उक्त शिक्षक का नाम सतीश राय है जो बेमेतरा कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने वाले गली में किराए के मकान में रहते थे जो अपने ड्यूटी से 4 बजे अपने बेमेतरा किराये के निवास आ रहे थे जिनको बीच रोड में रोककर अज्ञात युवकों द्वारा धारदार हथियार से वारकर हत्या कर दिया वही बेमेतरा पुलिस मर्म कायम कर विवेचना कर रही है, समाचार लिखने तक अपराधी की छानबीन जारी रही।

जनसुरक्षा और पशु कल्याण हेतु बेमेतरा प्रशासन सख्त, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, जनसुरक्षा और पशु कल्याण हेतु समग्र रणनीति तैयार

सड़कों पर घुमंतू पशुओं की समस्या पर उच्चस्तरीय बैठक, प्रभावी कार्ययोजना लागू करने के निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में सड़कों पर घुमंतू पशुओं की वजह से हो रही सड़क दुर्घटनाएं और यातायात अव्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू एवं अपर कलेक्टर डॉ. अनिल वाजपेई नागरिकों की जानमाल की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बीते गुरुवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई 7 इस महत्वपूर्ण बैठक में एडिशनल एसपी ज्योति सिंह, डीएसपी राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, आरटीओ अरविंद भगत, नगर पालिका सीएमओ, पशुपालन, राजस्व, पुलिस, नगरीय प्रशासन और पंचायत विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों पशुपालन, राजस्व थाना/चौकी प्रभारी एवं पुलिस विभाग के अधिकारी सहित अन्य विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। एसएसपी साहू ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब जिले में सड़कों पर मवेशियों की उपस्थिति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह स्थिति केवल यातायात में बाधा नहीं, बल्कि नागरिकों की जान को भी खतरे में डाल रही है। उन्होंने नगर निकायों को तत्काल विशेष अभियान चलाकर सड़कों से घुमंतू पशुओं को हटाने और उन्हें चिन्हांकित आश्रय स्थलों अथवा गौशालाओं में सुरक्षित रूप से रखने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई पशुपालक अपने मवेशियों को खुले में छोड़ता है, तो उसके खिलाफ पशु अधिनियमों के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय और निर्देश -बैठक में सभी संबंधित विभागों की भागीदारी से समग्र और बहुआयामी कार्ययोजना पर विचार किया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य सड़कों पर मवेशियों के विचरण को नियंत्रित कर जनसुरक्षा, पशु कल्याण, यातायात नियंत्रण, और स्वच्छता को सुनिश्चित करना है। बैठक में लिए गए कुछ प्रमुख निर्णय लिए गए जिसमे नगर निकाय विशेष अभियान चलाकर घुमंतू पशुओं को पकड़ेंगे और चिन्हित गोशालाओं अथवा अस्थायी आश्रय स्थलों में सुरक्षित रूप से विस्थापित करेंगे।

चिन्हित दुर्घटना स्थलों पर पुलिस गश्त और सीसीटीव्ही निगरानी बढ़ाई जाएगी। जो लोग जानबूझकर अपने पशुओं को खुले में छोड़ते हैं, उनके खिलाफ जुर्माना और अन्य वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।ग्राम सभाओं, स्कूलों, जनचौपाल, रेडियो, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से पशुपालकों को स्टाल फीडिंग, पशु प्रबंधन, और पशु अधिनियमों की जानकारी दी जाएगी।

संकेतक बोर्ड एवं स्ट्रीट लाइट्स दुर्घटना संभावित मार्गों पर लगाए जाएंगे-नरेगा योजना के तहत अस्थायी गौआश्रय स्थलों का निर्माण, समतलीकरण और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

पशु कल्याण से लेकर सूचना प्रबंधन तक का समावेश -प्रशासन द्वारा तैयार कार्ययोजना में निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं को शामिल किया गया है जिसमे घुमंतू पशुओं को गौशालाओं, काजी हाउस, गौ-अभ्यारण्य और अस्थायी आश्रयों में विस्थापित किया जाएगा। पूर्व में संचालित गौ-आश्रय स्थलों की स्थायी समितियों को पुनर्जीवित कर संचालन में सहयोग लिया जाएगा। धार्मिक-सामाजिक संगठनों, कॉरपोरेट्स और एनजीओ के सहयोग से दीर्घकालिक पुनर्वास योजना को क्रियान्वित किया जाएगा।

आवश्यक संसाधन एवं सेवाएं -काउ-कैचर वाहनों की व्यवस्था सभी नगर पालिकाओं, पंचायतों और निकायों के पास सुनिश्चित की जाएगी।चारा प्रबंधन और पशु स्वास्थ्य सेवाओं के लिए डॉक्टरों की नियुक्ति और अस्पतालों की मैपिंग की जाएगी।घायल पशुओं की तत्काल चिकित्सा सुविधा और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था होगी। पशुपालकों में जागरूकता एवं सामाजिक सहभागिता ग्राम पंचायत, जनचौपाल, स्कूलों और स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से खुले में पशु छोड़ने के दुष्परिणामों को बताया जाएगा।स्टाल फीडिंग के लाभ जैसे बेहतर स्वास्थ्य, फसल सुरक्षा और दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के बारे में जानकारी दी जाएगी। सोशल मीडिया, रेडियो और टीवी चैनलों के माध्यम से नियमित जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे।

आपातकालीन और सड़क सुरक्षा उपाय -चिन्हित मार्गों पर संकेतक बोर्ड और स्ट्रीट लाइट्स लगाई जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग, पुलिस और राजस्व विभाग के समन्वय से दुर्घटना स्थलों पर आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

सूचना प्रबंधन एवं विभागीय जिम्मेदारियाँ स्पष्ट -एक केंद्रीकृत सूचना केंद्र की स्थापना की जाएगी, जो सभी घुमंतू पशु घटनाओं, दुर्घटनाओं, और संबंधित सूचनाओं को एकत्रित कर संबंधित विभागों को तत्काल उपलब्ध कराएगा। इस केंद्र में टोल फ्री नंबर, जियो टैगिंग, और पोर्टल आधारित डैशबोर्ड की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

विभागीय जिम्मेदारियों का विभाजन -लोक निर्माण विभाग सड़क सुरक्षा तत्वों को निर्माण में शामिल करना, ठेकेदार की जवाबदेही तय करना। निगरानी दल का गठन, अस्थायी बाड़ों का निर्माण, काउ-कैचर वाहन और चारा व्यवस्था। ईयर टैगिंग, पशु चिकित्सा, नस्ल सुधार और गौशाला प्रबंधन। चारागाह प्रबंधन और पशु आहार व्यवस्था। घायल व्यक्तियों के लिए त्वरित चिकित्सा सहायता। चारागाह की उपलब्धता और अवैध कब्जों से मुक्ति। डेटा संकलन और सूचना समन्वय। वन क्षेत्रों में आवारा पशुओं की निगरानी और चरागाह प्रबंधन।

प्रशासन का सख्त संदेश : समस्या का स्थायी समाधान अनिवार्य -बैठक के अंत में वरिष्ठ अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आवारा पशुओं की समस्या अब प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सड़कों की सुरक्षा, नागरिकों का जीवन, और यातायात व्यवस्था की सुचारूता सुनिश्चित करना अब समय की मांग है। इस दिशा में सभी विभाग समन्वय से कार्य करें, यह सुनिश्चित किया गया है। साथ ही सामाजिक सहयोग को भी उतना ही आवश्यक माना गया है। यह कार्ययोजना न केवल सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में सहायक होगी, बल्कि पशु कल्याण, शहरी व्यवस्था, और स्वच्छता में भी दीर्घकालिक सुधार लाएगी। बेमेतरा जिले की सड़कों को दुर्घटनारहित, सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासनिक अमला अब पूरी तरह सक्रिय हो गया है।

व्यापम द्वारा आगामी परीक्षाओं के मद्देनज़र कलेक्टर ने ली केंद्राध्यक्ष, परिवहन अधिकारी (आब्जर्वर) की बैठक

अभ्यर्थी आधी बांह वाले हल्के रंग के कपड़े पहने, कान में किसी प्रकार का आभूषण है वर्जित

व्यापम द्वारा जारी दिशा निर्देश का अनिवार्यतः पालन करे :- डॉ सिंह, कलेक्टर

उच्च शिक्षा संचालनालय अंतर्गत आयोजित प्रयोगशाला परिचारक भर्ती परीक्षा 03 अगस्त को

रायपुर /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, व्यापम रायपुर द्वारा आयोजित प्रयोगशाला परिचारक भर्ती परीक्षा को लेकर कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने केंद्राध्यक्ष, परिवहन अधिकारी (आब्जर्वर)की कलेक्ट्रट सभागार में बैठक ली। उन्होंने केंद्रों में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही उन्होंने सभी केंद्रों में दीवाल घड़ी लगाने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। जिले में उच्च शिक्षा संचालनालय के अंतर्गत प्रयोगशाला परिचारक भर्ती परीक्षा 03 अगस्त 2025, रविवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 01.15 बजे तक 33 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जाएगी।

अभ्यार्थियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश

परीक्षार्थी, परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि उनका फ्रिस्किंग एवं सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। चूंकि यह परीक्षा प्रातः 11.00 बजे से प्रारंभ हो रहा है अतः मुख्य द्वार प्रातः 10.30 बजे बंद कर दिया जाएगा।

हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने आये। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा, उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरने उपरांत ही ऐसे पोशाक की अनुमति होगी। परीक्षा में चप्पल पहनें। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घडी, पर्स, पाऊच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है। परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी तथा अभ्यर्थिता समाप्त की जायेगी। इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत कुमार बिश्वरंजन, परीक्षा के नोडल अधिकारी एवं अपर कलेक्टर नवीन कुमार ठाकुर, सहायक नोडल अधिकारी एवं जिला रोजगार अधिकारी केदार पटेल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बीजापुर में विदेशी 'प्लेको फिश' की दस्तक : जैवविविधता पर संकट की आहट

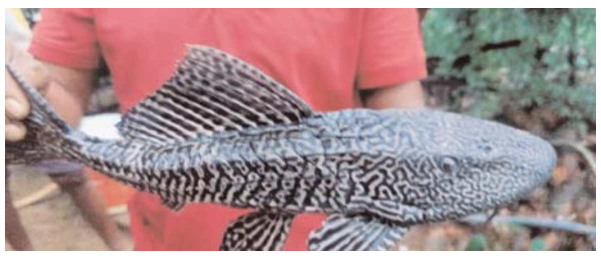

बीजापुर/मूक पत्रिका

भोपालपटनम विकासखंड के अर्जुनल्ली गांव में चिंतावागु नाले से एक अजीबोगरीब मछली मिलने से ग्रामीणों में कौतूहल फैल गया है। सक्शन नुमा मुंह और बाघ जैसी धारियों वाली इस मछली की पहचान 'प्लेको फिश' के रूप में हुई है, जो मूलतः दक्षिण अमेरिका की निवासी है। विशेष कोरम, दिलीप यालम, यालम धर्मेया, गणेश जव्वा और वीरेंद्र गोटे जब नाले में मछली पकड़ने के लिए जाल बिछा रहे थे, तब यह विदेशी मछली उसमें फंस गई। पहले तो गांववालों ने इसे किसी असामान्य स्थानीय प्रजाति का हिस्सा माना, लेकिन इसकी बनावट और कठोर त्वचा को देख हैरान रह गए।

क्या है 'प्लेको फिश'?-इसे आमतौर पर एक्वेरियम में काई और गंदगी साफ करने के लिए रखा जाता है।इसके निचले हिस्से में सक्शन माउथ होता है, जिससे यह चट्टानों और सतहों से चिपककर भोजन ग्रहण करती है।इसकी त्वचा अत्यंत कठोर होती है, जिससे इसे मारना या पकड़ना आसान नहीं होता।स्थानीय जलजीवों के लिए बड़ा खतरा।मछली वैज्ञानिकों के अनुसार, प्लेको फिश एक आक्रामक प्रजाति है। यह देशी मछलियों के अंडे और उनके भोजन को खत्म कर देती है, जिससे स्थानीय जैवविविधता पर खतरा मंडराता है। साथ ही इसके लिए प्राकृतिक शिकारी बहुत कम हैं, जिससे यह तेजी से फैलती है और जलस्रोतों में संतुलन बिगाड़ती है।

इस मछली की तस्वीरें देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं। हालांकि इसका अनोखा रूप लोगों को आकर्षित कर रहा है, लेकिन जानकारों का कहना है कि यह मछली पर्यावरण के लिए एक 'खूबसूरत खतरा' साबित हो सकती है।

'हरियर पाठशाला' अभियान के तहत गनौद शासकीय स्कूल में 300 पौधे रोपे गए

रायपुर /मूक पत्रिका

जिले में हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे हरियर पाठशाला अभियान के अंतर्गत आज आरंग ब्लॉक के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गनौद में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में नीम, आम और जामुन के कुल 300 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, शाला विकास समिति के सदस्यों, संस्था के प्राचार्य, संकुल समन्वयक, प्रधान पाठक, हायर सेकेंडरी स्कूल के समस्त शिक्षकगणों एवं छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और वृक्षों की देखरेख का जिम्मा भी लिया।यह अभियान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशों और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिले भर में संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विद्यालयों में हरियाली लाना और विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति जागरूक बनाना है।

हरियर पाठशाला के तहत यह पहल न केवल विद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाना है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक और उत्तरदायी नागरिक भी बनाना है।

डुबान से तबाह हुई किसानों की मेहनत, 40 से अधिक खेतों में फ़सलें बर्बाद, हाइड्रो पावर प्लांट की लापरवाही से ग्रामीण आक्रोशित

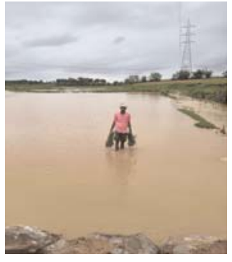

सूरजपुर/भैयाथान/मूक पत्रिका

जिले के भैयाथान जनपद अंतर्गत ग्राम पासल सहित आसपास के कई गांवों के किसानों को हाल ही में भारी बारिश और जलभराव के चलते बड़ी क्षति का सामना करना पड़ा है। स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि यह नुकसान प्राकृतिक नहीं, बल्कि क्षेत्र में संचालित निजी हाइड्रो पावर प्लांट की लापरवाही का नतीजा है।

कंपनी की लापरवाही बनी किसानों की बर्बादी का कारण–गौरतलब है कि रहर नदी पर एक निजी कंपनी द्वारा हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट का निर्माण कर विद्युत उत्पादन किया जा रहा है। परियोजना शुरू होने से पहले कंपनी ने पासल, भैयाथान, हरिपारा, झिलमिली और सत्यनगर के ग्रामीणों को इस बात की जानकारी दी थी कि नदी के जलग्रहण क्षेत्र में फ़सलें डुबान की चपेट में आ सकती हैं। इसके बावजूद कंपनी द्वारा खेतों से पानी निकालने के लिए जो नहर (नाला) बनाया गया है, उसकी जल निकासी क्षमता न के बराबर है। बीते 24 जुलाई से 26 जुलाई तक लगातार हुई मूसलधार बारिश ने हालात और बिगाड़ दिए। जल निकासी का नाला ओवरफ्लो हो गया और खेतों में पानी भर गया। फलस्वरूप पासल गांव के 30 से 40 से अधिक किसानों की खड़ी फ़सलें जलमग्न होकर पूरी तरह से नष्ट हो गई। इसी प्रकार झिलमिली और सत्यनगर के किसान भी इस आपदा से अछूते नहीं रहे।

फ़सलें डूबीं, किसानों की कमर टूटी–ग्रामीणों ने बताया कि अधिकांश किसान शासन की योजनाओं के अंतर्गत ऋण लेकर खाद, बीज एवं अन्य कृषि सामग्री खरीदते हैं। ऐसे में फ़सल का डूब जाना केवल अन्न का नुकसान नहीं, बल्कि परिवार की रोजी-रोटी, बच्चों की पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं पर भी ग्रहण है। प्रभावित किसानों का कहना है कि यदि समय रहते समुचित जल निकासी की व्यवस्था होती, तो इतनी बड़ी क्षति से बचा जा सकता था।

जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में सौंपा गया ज्ञापन–इस गंभीर मुद्दे को लेकर आज ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी सूरजपुर को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में राजीव प्रताप सिंह (उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत भैयाथान), अभय प्रताप सिंह (पूर्व जनपद सदस्य), दुलारी देवी (सभापति, जनपद पंचायत भैयाथान), कुशुम देवी (जनपद सदस्य), गनपत पाटिल (पूर्व सदस्य), जूगेश्वर पैकरा (उपसरपंच ग्राम पंचायत सत्यनगर) सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। ज्ञापन में मांग की गई है कि संबंधित क्षेत्रों में यथाशीघ्र राजस्व विभाग की टीम भेजकर खेतों और फ़सलों का निरीक्षण कराया जाए तथा प्रभावित किसानों को त्वरित मुआवजा प्रदान किया जाए, ताकि वे आर्थिक संकट से उबर सकें।क्या कहता है प्रशासन?-अब देखना यह है कि प्रशासन इस ज्ञापन और किसानों की पीड़ा पर कितनी गंभीरता दिखाता है। क्या दोषी कंपनी पर कोई कार्रवाई होगी? क्या प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा मिलेगा? यह आने वाला समय ही बताएगा, लेकिन फ़िलहाल सैकड़ों किसानों की आंखों में सिर्फ मायूसी, चिंता और सरकारी राहत की आस दिखाई दे रही है।

आप सभी की बात सुनना, समझना और त्वरित निराकरण करना ,यही मेरी प्राथमिकता है- अनुज

धरसींवा /मूक पत्रिका

विधानसभा के नगर पंचायत खरोरा स्थित विधायक कार्यालय में विधायक अनुज शर्मा ने बीते गुरुवार को जनदर्शन लिया । विधायक ने क्षेत्रवासियों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनी और उसके निराकरण के लिए सम्बंधित विभाग के अधकारियों को निर्देशित किया व खरोरा मण्डल के सभी सरपंचों कि बैठक लिया जिसमें 3 तारीख को होने वाले कवाड़ यात्रा, अवैध शराब, राशन कॉर्ड, स्मार्ट कार्ड, नल जल योजना, आवास योजना व सरकार की योजनाएं के विषय में चर्चा किये7 जनदर्शन के दौरान विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि शासकीय योजनाओं के लाभ से लेकर आमजनों की समस्याओं का निराकरण तथा क्षेत्र के विकास हेतु हम सबकी सहभागिता सुनिश्चित हो सके यही हमारा प्रयास है। आप सभी के सुझावों से ही हम समृद्ध धरसींवा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और आने वाले समय में भी हमारा यह जनदर्शन ,जन चौपाल निरंतर जारी रहेगा। आप सभी के सेवा और आप लोगो की समस्या का समाधान के लिए मैं सोमवार-मंगलवार को रायपुर कार्यालय में, गुरुवार को खरोरा और शुक्रवार को धरसींवा कार्यालय में उपस्थित रहूँगा7

नई दिल्ली मे अभिषेक बेनर्जी को प्रदान की गईं, डॉक्टरेट की मानद उपाधि

- हिंदी पत्रकारिता एवं साहित्य के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए अभिषेक को डॉक्टरेट की मानद उपाधि

पं. दीनदयाल उपाध्याय हिन्दी वि

नारायणपुर/मूक पत्रिका

नारायणपुर के युवा लेखक अभिषेक बेनर्जी को हिंदी लेखन,हिंदी भाषा में उत्कृष्ट पत्रकारिता एवं हिंदी साहित्य सृजन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ द्वारा नई दिल्ली के पश्चिम विहार मे स्थित रेडीशन ब्लू होटल मे आयोजित भव्य कार्यक्रम मे डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया,पंडित दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ देश के की उन संस्थाओं में से एक है जो विद्यावाचस्पति अर्थात डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान करती है,यह सम्मान उन्हें हिंदी भाषा की सेवा, पत्रकारिता की निष्पक्षता, और साहित्यिक अभिव्यक्तियों की नवीन ऊँचाइयों पर पहुँचाने के लिए दिया गया है।

नई दिल्ली मे सांसदों ने किया सम्मान –उपाधि मिलने के पश्चात् डॉ अभिषेक बेनर्जी को नई दिल्ली मे केंद्र सरकार में आवास एवं शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन लाल साहू ,बस्तर सांसद महेश कश्यप, कांकेर सांसद भोजराज नाग ने साल श्रीफ़ल से सम्मानित कर बधाई दी व उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हिंदी भाषा के संरक्षण व संवर्धन के लिए रहूंगा समर्पित- डॉ. अभिषेक बेनर्जी –डॉ. अभिषेक बेनर्जी ने बताया पंडित दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ जैसी प्रतिष्ठित संस्था द्वारा मुझे डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान किया जाना, मेरे लिए केवल एक सम्मान हीं नहीं, बल्कि एक ज़िम्मेदारी है–ज्ञान, संस्कृति और समाज के प्रति अपनी भूमिका को और अधिक गंभीरता व समर्पण से निभाने की।यह उपाधि न केवल मेरी अब तक की यात्रा की एक स्वीकृति है, बल्कि एक प्रेरणा है कि मैं आगे भी हिंदी भाषा, भारतीय संस्कृति और मानवीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन में समर्पित रहकर अपने योगदान को और अधिक प्रभावशाली बना सकूं, साथ हीं सभी शुभचिंतको का आभार व्यक्त करता हूँ7

थाना चांपा पुलिस द्वारा बटनदार चाकू के साथ 03 युवकों को किया गिरफ्तार

चांपा पुलिस की सक्रियता से आरोपियों को घेराबंदी कर धर दबोचा

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

मामले में तीनों आरोपियों द्वारा क्षेत्र में अशांति फैलाने के उद्देश्य से रखे थे बटनदार चाकू, आरोपियों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले में अशांति फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही।

गिरफ्तार आरोपी का नाम - 1. संजू केवट उम्र 28 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 2 कंवरपारा चांपा 2. सन्नी कंवर उम्र 26 वर्ष पता वार्ड नंबर 2 कंवरपारा चांपा 3. रविन्द्र उर्फ सागर कंवर उम्र 30 वर्ष निवासी वार्ड नंबर कंवरपारा चांपा मामले में जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने पूर्व में थाना प्रभारी की मीटिंग लेकर आगामी त्यौहार के मद्देंजर क्षेत्र में अशांति फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप एवं स्श्हक्क चांपा यदुमणि सिदार के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जेपी गुप्ता के नेतृत्व में थाना चांपा से टीम थाना क्षेत्र में पेट्रोलिंग हेतु रवाना किया गया था दौरान पेट्रोलिंग पुलिस टीम ने मुखबीर सूचना पर अलग - अलग स्थान से 03 आरोपी संजू केवट, सन्नी कंवर एवं सागर कँवर निवासी कंवरपारा को पकड़ा जिसके कब्जे से अलग अलग 03 नग बटनदार चाकू जप्त किया जाकर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया ।उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी चांपा निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता सहित स्टॉफ का विशेष योगदान रहा।

मातृ वंदना योजना, नोनी सुरक्षा योजना सहित सभी शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ हितग्राहियों तक सुनिश्चित करने के दिए गए निर्देश

आंगनबाड़ी केंद्र, सखी सेंटर, बाल गृह और बाल सम्प्रेषण गृह, नारी निकेतन केन्द्रों का मंत्री द्वारा किया गया निरीक्षण

अधिकारियों को सखी सेंटर में टोल फ्री नंबर प्रमुखता प्रदर्शित करने को कहा*

Shot by jai kashyap

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

बीते गुरुवार को छत्तीसगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास विभाग तथा समाज कल्याण विभाग मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने दो दिवसीय दंतेवाड़ा प्रवास के दौरान विभागीय योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की आकस्मिक समीक्षा की। दौरे की शुरुआत नियत नेलानार ग्राम पंचायत अंतर्गत गमावाड़ा के आंगनबाड़ी केंद्र मुंद्रापारा के निरीक्षण से हुई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं पर्यवेक्षकओं को मातृ वंदना योजना, नोनी सुरक्षा योजना सहित सभी शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ हितग्राहियों तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही उनके द्वारा ग्रामीणों से आंगनबाड़ी केंद्र की सेवाओं की गुणवत्ता की जानकारी भी ली गई। इसके पश्चात सचिव श्रीमती राजवाड़े ने मुख्यालय स्थित सखी सेंटर का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने सेंटर में टोल फ्री नंबर प्रमुखता से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने सखी सेंटर की स्टाफसे बातचीत कर फील्ड में आने वाली समस्याओं और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही उनके द्वारा मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत संचालित बाल गृह और बाल सम्प्रेषण गृह का भी निरीक्षण कर बच्चों से संवाद किया। और उनके स्वास्थ्य, पोषण और समग्र देखरेख की स्थिति से अवगत हुई। यहां उन्होंने संबंधित स्टाफको संस्थाओं के संचालन को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। नारी निकेतन गृह के निरीक्षण के दौरान मंत्री ने वहाँ निवासरत अंतःवासिनियों से एकांत में भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना और उनके शीघ्र समाधान हेतु जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री वरुण नागेश को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने पुलिस जवानों को राखी बाँधकर दी रक्षाबंधन की दी शुभकामनाएँ, कहा - ÷आपकी वीरता को मेरा प्रणाम है. आगामी रक्षाबंधन के पावन पर्व के परिप्रेक्ष्य में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कारली स्थित पुलिस जवानों को राखी बाँधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इस विशेष अवसर पर उन्होंने कहा, ÷आप सभी हमारे रक्षक हैं, आपके साहस और समर्पण को मैं नमन करती हूँ। यह राखी केवल एक धागा नहीं, बल्कि आपके प्रति हमारे विश्वास, कृतज्ञता और सम्मान का प्रतीक है।÷ है। उन्होंने यह भी कहा कि जब हम अपने घरों में सुरक्षित रहते हैं, तो इसके पीछे आपकी निस्वार्थ सेवा और चौबीसों घंटे की तैनाती होती है। ÷आपके साहस और अनुशासन की भावना पूरे समाज के लिए प्रेरणा है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने जवानों से बातचीत कर उनके परिवारों की कुशलक्षेम भी जानी और उन्हें भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार उनके कल्याण और सुरक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान अन्य जनप्रतिनिधियों महिलाओं ने भी जवानों को राखियां बांधी और मिठाइयाँ वितरित कीं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने नशा मुक्ति केंद्र का किया निरीक्षण, लाभार्थियों से किया बातचीत–अपने भ्रमण के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने स्थानीय नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र नशा मुक्ति हेतु रहवासी ग्रामीणों से संवाद करते हुए उनकी स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इन्ही में से एक ग्रामीणों से जानना चाहा कि नशे से मुक्त होने के पश्चात उसकी दिनचर्या कैसी बदली। इस पर ग्रामीणों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि यहाँ आकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। और उन्हें पहले से काफी अच्छा महसूस हो रहा है। मौके पर मंत्री ने उनके भोजन और नाश्ते की गुणवत्ता के बारे में भी जानकारी ली, और उन्हें बताया गया कि उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएँ समय पर मिल रही हैं। इस पर मंत्री ने उन्हें प्रोत्साहित करते हुए कहा, ÷सुबह उठकर नियमित रूप से योग करें, जिससे तन और मन दोनों स्वस्थ रहें।÷ इसके साथ ही मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने सभी को नशा से पूर्णतः दूर रहने की समझाइश दी और भविष्य में पुनः नशा न करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने यह भी कहा कि लाइवलीहुड कॉलेज के माध्यम से ग्रामीणों रोजगारपरक प्रशिक्षण से लाभान्वित हो सकते है। उन्होंने सभी लाभार्थियों से अपील किया कि वे वहां प्रशिक्षण लेकर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ें और समाज में सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करें।

गीदम के हारमपारा में मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने वृद्धा आश्रम का निरीक्षण किया–इसके साथ ही मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने हारमपारा स्थित वृद्धा आश्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां रह रहे बुजुर्गों से मुलाकात की और उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। मंत्री ने समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक को निर्देश दिए कि आश्रम में रह रहे सभी वृद्धजनों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक उपचार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बुजुर्गों से बातचीत कर उनकी समस्याओं एवं मांगों को सुना तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि एवं महिला बाल विकास विभाग के संचालक पदुम सिंह एल्मा, एसडीएम मूलचंद चोपड़ा, जिला कार्यक्रम अधिकारी वरुण नागेश सभी परियोजना अधिकारी व पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

संपादकीय

एक और भगदड़

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में एक अफवाह ने कई जानें ले लीं। किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। पिछले एक साल पर नजर दौड़ाएं तो इस तरह के कई दुखद हादसे हो चुके हैं। पिछले साल जुलाई में ही हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। वहां आयोजक भीड़ को नहीं संभाल पाए। इस साल जनवरी की शुरुआत में तिरुपति मंदिर में टोकन लेने के लिए हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच गए और पुलिस उनको काबू नहीं कर सकी। भगदड़ मची तो 6 लोगों की जान चली गई। इसी साल, मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में और उसके बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी हादसा हुआ। धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन हमेशा से बड़ी चुनौती रहा है। अनुमान से ज्यादा लोग जब एक जगह जुट जाते हैं, तब हल्की-सी भी चूक जानलेवा बन सकती है। इन सारे मामलों में यही वजह रही - कोई अफवाह, भीड़ का अनियंत्रित हो जाना और निकलने की जगह न मिलना। किसी भी बड़े आयोजन का सबसे अहम हिस्सा है क्राउड मैनेजमेंट। जरूरी नहीं है कि भीड़ के बारे में लगाया गया अनुमान हमेशा सही साबित हो। ऐसे में रियल टाइम मॉनिटरिंग अहम हो जाती है, जिससे स्थिति के हिसाब से तुरंत निर्णय लिया जा सके। इस तरह की कोई दुर्घटना होने की सूरत में बचाव की योजना पहले से तैयार रहनी चाहिए। लेकिन, देखा गया है कि ज्यादातर मौकों पर पहले से की गई प्लानिंग बेकार हो गई, क्योंकि इंतजाम नाकाफी थे। तमाम धार्मिक स्थलों पर फैली अव्यवस्था को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। फिसलन भरे रास्ते, संकरी जगह, आने-जाने का एक ही मार्ग जैसी बातें लगभग हर जगह देखने को मिल जाएंगी। ऐसे में जब किसी खास मौके पर भीड़ बढ़ती है तो स्वाभाविक ही हादसे की आशंका भी बढ़ जाती है, जैसा सावन पर मनसा देवी में हुआ। बेंगलुरु में आरसीबी के इवेंट में हुए हादसे के बाद कर्नाटक सरकार क्राउड कंट्रोल पर एक बिल लेकर आई है, जिसमें जिम्मेदारियां तय की गई हैं। ऐसे कानून की हर जगह जरूरत है। साथ ही, ऐसी दुर्घटनाओं से बचने के लिए आयोजकों, पुलिस-प्रशासन और जनता को समन्वय में काम करना होगा। बड़े पैमाने पर जन-जागरूकता की जरूरत है, जिससे लोगों को बताया जा सके कि भीड़ के बीच उन्हें किस तरह का व्यवहार करना है।

जगदीप धनखड़ 2019 से 2022 तक पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे। इस दौरान उनका हमेशा सीएम ममता बनर्जी से टकराव बना रहा। धनखड़ ने कई बार सीएम ममता बनर्जी और उनकी सरकार की आलोचना की। धनखड़ ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और शासन की विफलता के आरोप लगाए। कार्यकाल समाप्ति से दो साल पहले उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने वाले जगदीप धनखड़ का कार्यकाल सर्वाधिक विवादों से भरा रहा है। देश में इतने विवाद उपराष्ट्रपति और राज्यपाल पद पर रहते हुए किसी के साथ नहीं जुड़े, जितने धनखड़ के नाम दर्ज हैं। इस पद पर रहते हुए धनखड़ पर कई तरीके के आरोप लगे। उपराष्ट्रपति पद से पहले पश्चिम बंगाल में राज्यपाल रहते हुए भी धनखड़ विवादों से घिरे रहे। केंद्र की भाजपा सरकार ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सख्त रवैया अपनाने वाले धनखड़ को ईनाम के तौर पर उपराष्ट्रपति पद से नवाजा था। इसके बावजूद कि धनखड़ का न तो भारतीय जनता पार्टी और न ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से कभी गहरा सरोकार रहा।

सर्वाधिक विवादास्पद राज्यपाल और उपराष्ट्रपति रहे हैं धनखड़

(योगेंद्र योगी)

जगदीप धनखड़ 2019 से 2022 तक पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे। इस दौरान उनका हमेशा सीएम ममता बनर्जी से टकराव बना रहा। धनखड़ ने कई बार सीएम ममता बनर्जी और उनकी सरकार की आलोचना की। धनखड़ ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और शासन की विफलता के आरोप लगाए। उनके इस रुख को विपक्ष ने पक्षपातपूर्ण माना, क्योंकि एक संवैधानिक पद पर रहते हुए उनकी टिप्पणियां सरकार के खिलाफ थीं। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति के रूप में धनखड़ का विपक्षी दलों के साथ रिश्ता हमेशा तनावपूर्ण रहा। विपक्ष ने उन पर पक्षपात और सरकार के पक्ष में बोलने का आरोप लगाया। राज्यसभा अध्यक्ष के रूप में धनखड़ पर पक्षपात के आरोप लगे।

विपक्षी इंडिया गठबंधन ने आरोप लगाया कि धनखड़ ने राज्यसभा की कार्यवाही में पक्षपात किया और भाजपा सदस्यों को प्राथमिकता दी जबकि विपक्ष की आवाज को दबाया। विपक्ष ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए उपराष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कदम करार दिया था। देश में ऐसा पहली बार हुआ जब विपक्षी दलों ने राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। हालांकि इस प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिल सकी। विपक्षी दलों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, समाजवादी पार्टी और वाम दलों के 60 से ज्यादा सांसदों ने संविधान के अनुच्छेद 67(ब) के तहत धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। प्रस्ताव में उन्हें सरकार का प्रवक्ता कहा गया और निष्पक्षता की गंभीर कमी बताई गई।

जनवरी 2023 में धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट की मूल संरचना सिद्धांत के पुनरावृत्ति के संदर्भ में बयान दिया था, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया था। उन्होंने कहा था कि संसद के बनाए कानूनों को अगर अदालत रोक देती है तो यह लोकतंत्र के लिए खतरा होगा। विपक्ष ने उपराष्ट्रपति के बयान पर केंद्र सरकार पर हमला बोला। विपक्ष ने इसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप बताया। जस्टिस वर्मा के घर पर कैश बरामदगी मामले में धनखड़ के बयान के बाद भी राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) को लेकर बहस छिड़ गई थी धनखड़ ने कहा था कि यदि सुप्रीम कोर्ट ने इसे रद्द नहीं किया होता तो बात कुछ अलग होती। गौरतलब है कि एनजेएसी को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर किया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर 2020 दिसंबर में भी धनखड़ ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश संसद की संप्रभुता से समझौता है और जनादेश का अपमान है। मार्च 2023 में धनखड़ ने शैक्षणिक संस्थानों और छात्र राजनीति पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा था कि कुछ विश्वविद्यालय देश विरोधी विचारधाराओं की शरणस्थली बन चुके हैं। उपराष्ट्रपति के इस बयान को जेएनयू और कुछ अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों की ओर इशारा माना गया। विपक्षी दल, जैसे सीपीआई और सीपीएम ने उपराष्ट्रपति के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति की यह भाषा संघी एजेंडे की झलक देती है। छात्र संगठनों ने धनखड़ से बयान वापस लेने की मांग की थी। किसान आंदोलन के दौरान जगदीप धनखड़ ने किसानों की आलोचना की। उन्होंने कहा था कि किसान आंदोलन के नाम पर सड़कों पर बैठ कर राष्ट्र को बदनाम कर रहे है, वे किसान नहीं है। धनखड़ की इस टिप्पणी पर किसान संगठनों और खाप संगठनों ने आपत्ति जताई। अक्टूबर 2024 में उन्होंने सीबीआई और ईडी के समर्थन में बयान दिया था। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा था कि, सीबीआई और ईडी पर सवाल उठाना भारत के न्यायिक तंत्र को कमजोर करता है। उनके इस बयान को विपक्षी दलों ने जांच एजेंसियों की मनमानी कार्रवाई का समर्थन के तौर पर माना।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश द्वारा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव 27 मार्च 2025 को लाया गया। इस विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव को धनखड़ ने खारिज कर दिया। अमित शाह ने आरोप लगाया था कि यूपीए शासनकाल में पीएमएनआरएफ (प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष) पर सोनिया गांधी का नियंत्रण था। धनखड़ ने एक प्रेस विज्ञप्ति का हवाला देते हुए इसे सत्यापित बयान बताया। अगस्त 2024 में महिला गरिमा पर बहस के दौरान राज्यसभा में समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने धनखड़ की बोलने की शैली और हाव-भाव पर आपत्ति जताई। बच्चन ने कहा कि उनकी टोन अनुचित है। इसके जवाब में धनखड़ ने कहा कि आप सेलिब्रिटी हो सकते हैं लेकिन सदन की मर्यादा समझिए।

दिसंबर 2023 में उपराष्ट्रपति धनखड़ पर अधिवेशन में विपक्षी सांसदों को रोकने का आरोप लगा था। विपक्षी दलों के नेताओं ने आरोप लगाया कि संसद के शीत सत्र में विपक्षी सांसदों के साथ पक्षपात किया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा था कि यह उपराष्ट्रपति नहीं, भाजपा प्रवक्ता की तरह बर्ताव कर रहे हैं। सभापति धनखड़ संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही का संचालन करते हुए लोकतंत्र को खतरा वाला बयान दिया। जिसे लेकर जमकर विवाद हुआ। उन्होंने कहा था कि कुछ लोग लोकतंत्र को खत्म करने में लगे हैं और उन्हें संसद में नहीं देशद्रोहियों के कटघरे में होना चाहिए। उपराष्ट्रपति धनखड़ का यह बयान इशारे के तौर पर विपक्ष की संसद में बहिष्कार रणनीति के संदर्भ में दिया गया। कई विपक्षी नेताओं ने असहमति जताते हुए कहा था कि यह लोकतंत्र में असहमति को दबाने की कोशिश है। धनखड़ अपने कार्यकाल के दौरान संवैधानिक संस्थानों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर अपनी टिप्पणियों के लिए भी चर्चा में रहे। उन्होंने आरएसएस को वैश्विक थिंक टैंक और राष्ट्र निर्माण में निर्विवाद भूमिका वाला संगठन बताया, जिसे विपक्ष ने भाजपा के प्रति उनकी निष्ठा के रूप में बताया। राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ के बार-बार राजस्थान दौरे को लेकर आपत्ति जताई थी। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा था कि शेखावत साहब भी उपराष्ट्रपति बने थे। लेकिन उन्होंने कहा था कि राजस्थान मेरा घर है। यहां कोई प्रोटोकॉल नहीं होगा। जबकि उपराष्ट्रपति धनखड़ पूरे प्रोटोकॉल के तहत राजस्थान के दौरे पर आ रहे हैं।

गहलोत ने उपराष्ट्रपति धनखड़ पर तंज कसते हुए कहा था कि आप उपराष्ट्रपति हैं। आपका स्वागत है। लेकिन इस तरीके से बार-बार राजस्थान में अपना दौरा करेंगे तो, जनता तो सब समझती है। इस दौरे को करने की क्या तुक हैं। जनता समझती है। राजस्थान में चुनाव है, इसलिए उपराष्ट्रपति भी सक्रिय हैं। संविधान में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल जैसे संवैधानिक पदों के लिए विशेष प्रावधान और सम्मान है। सवाल यह है कि इन प्रावधानों और सम्मान के विपरीत पदों को विवादित बनाने से इन पदों की गरिमा कैसे बनी रहेगी, यह इन पदों पर आसीन लोगों के विचारणीय प्रश्न है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम को लेकर भाजपा और द्रमुक में क्यों हो रही है खींचतान?

(नीरज कुमार दुबे)

सबसे पहले रामेश्वरम की बात करें तो आपको बता दें कि यह स्थल रामायण और श्रीराम से जुड़ा है जोकि धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व रखता है। प्रधानमंत्री का वहां जाना दक्षिण भारत में हिंदू आस्था के प्रमुख केंद्रों को सशक्त करने का प्रयास माना गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्राओं में एक स्पष्ट रणनीतिक और सांस्कृतिक संदेश छिपा हुआ होता है। ऐसा ही संदेश प्रधानमंत्री की तमिलनाडु यात्रा में भी छिपा है। हम आपको याद दिला दें कि इस साल अप्रैल में श्रीलंका से लौटते समय प्रधानमंत्री सीधे रामेश्वरम पहुँचे थे और अब मालदीव से लौटते समय सीधे तमिलनाडु के तूतीकोरिन और त्रिची आ रहे हैं, जहाँ वह चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की जयंती उत्सव और आदि तिरुवाथिरै महोत्सव में भाग लेंगे। यह यात्रा केवल धार्मिक या सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उपस्थिति भर नहीं है, बल्कि तमिलनाडु और दक्षिण भारत की राजनीति में एक बड़ा संकेत है।

सबसे पहले रामेश्वरम की बात करें तो आपको बता दें कि यह स्थल रामायण और श्रीराम से जुड़ा है जोकि धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व रखता है। प्रधानमंत्री का वहां जाना दक्षिण भारत में हिंदू आस्था के प्रमुख केंद्रों को सशक्त करने का प्रयास माना गया। वहीं त्रिची में चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की जयंती उत्सव में प्रधानमंत्री की उपस्थिति तमिल गौरव और चोल इतिहास को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने का संदेश देती है। यह दिखाता है कि केंद्र सरकार तमिल संस्कृति और इतिहास को भारतीय सभ्यता के अभिन्न अंग के रूप में प्रस्तुत कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्राएँ यह संदेश देती हैं कि तमिलनाडु का इतिहास और संस्कृति राष्ट्रीय गौरव का हिस्सा है, न कि उससे अलग। चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम जैसे ऐतिहासिक नायकों को राष्ट्रीय विमर्श में लाना, छ्रब्य के तमिल गौरव के नैरेटिव को चुनौती देने की कोशिश भी है। इसके अलावा, त्रिची यात्रा के साथ-साथ प्रधानमंत्री तमिलनाडु के तूतीकोरिन में ?4,800 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी कर रहे हैं। इससे यह संदेश जाता है कि सांस्कृतिक गौरव और आर्थिक प्रगति एक-दूसरे के पूरक हैं। भाजपा इस संतुलन को दिखाकर तमिलनाडु की जनता को यह विश्वास दिलाना चाहती है कि केंद्र सरकार क्षेत्रीय विकास और सांस्कृतिक सम्मान दोनों पर ध्यान दे रही है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री गंगैकोंडाचोलपुरम में सम्राट राजेन्द्र चोल प्रथम की जयंती मनाने और आदि तिरुवाथिरै महोत्सव में शामिल होने के साथ ही राजेन्द्र चोल प्रथम पर एक स्मारक सिक्का जारी करेंगे। यह समारोह चोल साम्राज्य की समुद्री विजय के 1000 वर्ष पूरे होने और गंगैकोंडाचोलपुरम मंदिर के निर्माण की स्मृति में आयोजित हो रहा है।

जहां तक यह सवाल है कि क्यों डीएमके और भाजपा चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम को लेकर आमने-सामने हैं तो आपको बता दें कि भारतीय राजनीति में इतिहास और प्रतीकों का इस्तेमाल नया नहीं है। लेकिन यहां असली सवाल यह है कि आखिर एक हज़ार वर्ष पूर्व के इस महान चोल सम्राट के नाम और योगदान को लेकर इतनी खींचतान क्यों? सवाल यह भी है कि इसके राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मायने क्या हैं?हम आपको बता दें कि राजेन्द्र प्रथम चोल साम्राज्य के सबसे शक्तिशाली शासकों में गिने जाते हैं। राजेन्द्र प्रथम (1014-1044 ई.) को दक्षिण भारत का सबसे महान समुद्री विजेता माना जाता है। उन्होंने श्रीलंका, मालदीव, बर्मा (म्यांमार), थाईलैंड और कंबोडिया तक अपना प्रभाव बढ़ाया। गंगा जल लेकर चोल राजधानी में अभिषेक करने वाली उनकी उपलब्धि उन्हें गंगैकोंडा चोल की उपाधि दिलाती है। उनके शासनकाल में प्रशासनिक, सांस्कृतिक और समुद्री व्यापारिक नेटवर्क का जबरदस्त विस्तार हुआ। इसके अलावा, राजेन्द्र प्रथम केवल सैन्य शक्ति का प्रतीक नहीं थे, बल्कि सांस्कृतिक और स्थापत्य कला के भी बड़े संरक्षक थे। तंजावुर और गंगैकोंडाचोलपुरम के भव्य मंदिर उनकी धार्मिक सहिष्णुता और स्थापत्य कौशल को दर्शाते हैं। गंगैकोंडाचोलपुरम मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और तमिल शैव भक्ति परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र है।

देखा जाये तो डीएमके के लिए राजेन्द्र प्रथम तमिल गौरव और द्रविड़ संस्कृति के प्रतीक हैं। पार्टी लंबे समय से यह तर्क देती रही है कि तमिल सभ्यता का इतिहास बेहद समृद्ध है और इसे उत्तर भारत केंद्रित ऐतिहासिक आख्यानों में दबा दिया गया। छ्रब्य चाहती है कि तमिल लोगों को यह एहसास हो कि उनके पूर्वजों ने समुद्र पार साम्राज्य खड़ा किया था। इसके अलावा छ्रब्य इस विषय को ब्राह्मणवादी इतिहास लेखन के प्रतिरोध के रूप में भी प्रस्तुत करती है। द्रविड़ आंदोलन के सामाजिक न्याय और जातिगत असमानताओं को चुनौती देने के एजेंडे के साथ, राजेन्द्र प्रथम का तमिल गौरव पार्टी के राजनीतिक विमर्श में मजबूती से फिट बैठता है।

दूसरी ओर, भाजपा की रणनीति थोड़ी अलग है। पार्टी राजेन्द्र प्रथम को 'हिंदू साम्राज्यवादी शक्ति' के रूप में प्रस्तुत कर रही है, जिसने विदेशी ताकतों को परास्त कर भारत की सीमाओं के बाहर भी हिंदू प्रभाव फैलाया। यह नैरेटिव बीजेपी की व्यापक 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' की सोच से जुड़ता है। इसके अलावा भाजपा तमिलनाडु में अपनी जड़ें मजबूत करना चाहती है, जहां अब तक उसकी उपस्थिति सीमित रही है। डीएमके के तमिल गौरव को चुनौती देने के लिए बीजेपी ऐतिहासिक नायकों को हिंदुत्व के चश्मे से प्रस्तुत कर रही है। इससे उसे तमिलनाडु में सांस्कृतिक जुड़ाव बनाने का अवसर मिलता है।दोनों दलों की खींचतान के निहितार्थ पर गौर करें तो डीएमके तमिल पहचान और द्रविड़ गौरव पर जोर देती है, जबकि भाजपा हिंदू पहचान और राष्ट्रीय गौरव पर। इसके अलावा, यह लड़ाई केवल अतीत की स्मृतियों की नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए इतिहास को परिभाषित करने की भी है। यह भी देखने में आ रहा है कि भाजपा दक्षिण भारत में पैर जमाने के लिए क्षेत्रीय प्रतीकों को अपनाने की रणनीति पर काम कर रही है, जबकि डीएमके इस क्षेत्रीय अस्मिता को बचाने की कोशिश में है।

चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की विरासत पर चल रही यह खींचतान बताती है कि इतिहास केवल अतीत का विषय नहीं है, बल्कि वर्तमान की राजनीति का हथियार भी बनता है। डीएमके और भाजपा दोनों ही राजेन्द्र प्रथम को अपने-अपने वैचारिक ढांचे में फिट करने की कोशिश कर रहे हैं। यह संघर्ष आने वाले समय में तमिलनाडु की राजनीति को और अधिक वैचारिक और सांस्कृतिक बहसों से भर देगा।

बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तूतीकोरिन से गंगैकोंडाचोलपुरम तक का यह दौरा विकास और सांस्कृतिक प्रतीकवाद का एक संतुलित उदाहरण है।

प्रकृति पुकार रही है: अब संरक्षण नहीं, सहभागिता चाहिए

वर्तमान युग में औद्योगीकरण, अंधाधुंध शहरीकरण, वनों की कटाई, जल और वायु प्रदूषण, प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग और जलवायु परिवर्तन ने प्रकृति के संतुलन को बिगाड़ दिया है। हर साल लाखों एकड़ वन समाप्त हो जाते हैं, सैकड़ों प्रजातियां विलुप्त हो जाती हैं और प्राकृतिक आपदाएं लगातार बढ़ रही हैं। हर वर्ष 28 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस हमें प्रकृति, पर्यावरण एवं सृष्टि के संतुलन एवं संरक्षण के लिये प्रेरित करता है। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व को उजागर करते हुए यह दिन हमें प्रकृति के साथ अपने संबंधों पर विचार करने और एक स्थायी भविष्य की दिशा में कदम उठाने का आग्रह करता है।

(ललित गर्ग)

यह इस बात को मान्यता देता है कि एक स्वस्थ एवं संतुलित समाज की नींव ही एक स्वस्थ पर्यावरण है। हम प्रकृति के केवल उपयोगकर्ता नहीं, बल्कि उसके संरक्षक भी हैं। इस दिवस की वर्ष 2025 की थीम-प्रकृति के साथ सामंजस्य पुनर्स्थापित करें, पुनर्जीवित करें, पुनःकल्पना करें' है जो न केवल हमारे पर्यावरणीय कर्तव्यों को रेखांकित करती है, बल्कि यह एक गंभीर चेतावनी भी है कि यदि हम अब भी नहीं जागे, तो प्रकृति हमें अपने ढंग से जगाएगी और तब यह जागरण महंगा पड़ सकता है। थीम के अनुरूप 'पुनर्स्थापित' करना यानी प्रकृति को उसकी मूल अवस्था में लाना, 'पुनर्जीवित' यानी मृत या निष्क्रिय हो चुकी प्राकृतिक प्रणालियों को पुनर्जीवित करना और 'पुनःकल्पना' यानी एक ऐसे भविष्य की कल्पना करना जो सतत विकास, हरित ऊर्जा और मानव-प्रकृति सह-अस्तित्व पर आधारित हो। इस थीम का सार यह है कि हम केवल 'मदद' नहीं कर रहे, बल्कि प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को निभा रहे हैं, क्योंकि हमारी जीवनशैली ही प्राकृतिक संसाधनों की सबसे बड़ी उपभोक्ता रही है।

वर्तमान युग में औद्योगीकरण, अंधाधुंध शहरीकरण, वनों की कटाई, जल और वायु प्रदूषण, प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग और जलवायु परिवर्तन ने प्रकृति के संतुलन को बिगाड़ दिया है। हर साल लाखों एकड़ वन समाप्त हो जाते हैं, सैकड़ों प्रजातियां विलुप्त हो जाती हैं और प्राकृतिक आपदाएं लगातार बढ़ रही हैं। यह स्थिति न केवल जैव विविधता को नष्ट कर रही है, बल्कि मानव अस्तित्व पर भी सीधा खतरा बन चुकी है। भारत की प्रकृति चुनौतियां गंभीर है, एक चिन्ता है, एक संकट है, लगता है जैसे कुछ अधूरा है। क्योंकि आप न खुली साफ हवा में अपनी मर्जी से सांस ले सकते हैं और न पीने को शुद्ध जल प्राप्त कर सकते हैं। 2000वीं संसदीय रिपोर्ट बताती है कि भारत में करोड़ों लोग अभी भी स्वच्छ जल से वंचित हैं। रसायनयुक्त कृषि, प्लास्टिक प्रदूषण, माइनिंग प्रेरित जल प्रदूषण-इनसे नदियां, तालाब, भूजल, प्रकृति सभी दूषित हो रहे हैं। सतत जल सुरक्षा का अर्थ है हर परिवार को शुद्ध, पर्याप्त और सुलभ पानी मिलना चाहिए। शुद्ध हवा व शुद्ध जल कैंसर, हृदय-पक्षाघात, संक्रामक और पुरानी बीमारियों को रोकते हैं। स्वस्थ जीवनशैली और निरोगी समाज अर्थव्यवस्था के लिए उपजाऊ है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं-हवा, पानी और धरती है। प्रकृति संरक्षा न केवल हमारी अस्तित्व-निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। आज का युग, जिस तेज़ी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में प्रकृति पर तरह-तरह के आघात हो रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध, हमाम-इजरायल युद्ध, थाईलैंड- कंबोडिया युद्ध, दिल्ली का उच्च प्रदूषण सूचकांक, अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा, बढ़ता वाहन प्रदूषण-ये सब संकेत देते हैं कि प्रकृति दूषित हो रही है, क्रंदन कर रही है।

भारत एक समृद्ध जैव-विविधता वाला देश है, लेकिन यहां भी वनों की कटाई, नदियों का प्रदूषण, और ग्लेशियरों का पिघलना चिंताजनक स्तर पर पहुंच चुका है। हाल ही में उत्तराखंड, हिमाचल और पूर्वोत्तर राज्यों में आई जलवायु आपदाएं स्पष्ट संकेत हैं कि प्रकृति अब चेतावनी दे रही है। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों या संगठनों की जिम्मेदारी नहीं, हर नागरिक का कर्तव्य है। हमें यह समझना होगा कि प्रकृति की रक्षा करके हम वास्तव में अपने भविष्य की रक्षा कर रहे हैं। प्रकृति संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए हमें सतत विकास को प्राथमिकता देनी होगी, जिसमें पर्यावरण, समाज और अर्थव्यवस्था में संतुलन बना रहे। पुनः्वनीकरण और वृक्षारोपण को एक राष्ट्रीय अभियान बनाना होगा। सिंगल यूज प्लास्टिक को समाप्त करने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे। स्थानीय पारिस्थितिक तंत्रों की सुरक्षा-जैसे जल स्रोत, जैव विविधता, मिट्टी की उर्वरता, हरित ऊर्जा- जैसे सौर और पवन ऊर्जा को प्रोत्साहन देना होगा। बच्चों और युवाओं में पर्यावरणीय चेतना विकसित करनी होगी।

प्रकृति एवं पर्यावरण की उपेक्षा के कारण विकास वरदान नहीं अभिशाप बन रहा है। वायु प्रदूषण जानलेवा साबित हो रहा है, गंगा-यमुना प्रदूषित हो चुकी है, जनता को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है, सड़के गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। वनों का विनाश हो रहा है, पहाड बिखर रहे हैं, जहरीली हवा एवं वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनने लगा हैं और जहरीली होती हवा सांसों पर भारी पड़ने लगी है। एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी एक्यूआइ बहुत खराब की श्रेणी में पहुंच चुका है। दिल्ली के साथ देश के अन्य महानगारों की आबोहवा भी बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से खतरनाक है। महानगरों की हवा में उच्च सांद्रता है, जो बच्चों को सांस की बीमारी और हृदय रोगों की तरफ धकेल रही है। शोध एवं अध्ययन में यह भी पाया गया है कि यहां रहने वाले 75.4 फीसदी बच्चों को घुटन महसूस होती है। 24.2 फीसदी बच्चों की आंखों में खुजली की शिकायत होती है। सर्दियों में बच्चों को खांसी की शिकायत भी होती है। बुजुर्गों का स्वास्थ्य तो बहुत ज्यादा प्रभावित होता ही है। सर्दियों के मौसम में हवा में घातक धातुएं होती हैं, जिससे सांस लेने में दिक्कत आती है। हवा में कैडमियम और आर्सेनिक की मात्रा में वृद्धि से कैंसर, गुर्दे की समस्या और उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

दुनिया भर में 2.2 बिलियन लोगों के पास सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल तक पहुंच नहीं है। आज जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर पहले से कहीं अधिक तेजी से पिघल रहे हैं। अरबों लोगों के लिए पिघले पानी का प्रवाह बदल रहा है, जिससे बाढ़, सूखा, भूस्खलन और समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। अनगिनत समुदाय और पारिस्थितिकी तंत्र विनाश के खतरे में हैं। कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक कटौती तथा सिकुड़ते ग्लेशियरों के अनुकूलन के लिए स्थानीय रणनीतियां आवश्यक हैं। दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है। इसमें से लगभग आधे लोगों को साल में कम से कम एक महीने पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पैकेट और बोतल बन्द पानी आज विकास के प्रतीकचिह्न बनते जा रहे हैं और अपने संसाधनों के प्रति हमारी लापरवाही अपनी मूलभूत आवश्यकता को बाजारवाद के हवाले कर देने की राह आसान कर रही है।

व्यक्तिगत पहल के रूप में प्रकृति के प्रति प्रेम को दर्शाते हुए जितना हो सके, प्राकृतिक संसाधनों का संयमित उपयोग करें। अपशिष्ट प्रबंधन, पुनः उपयोग, और रीसाइक्लिंग को अपनाएं। प्रत्येक वर्ष कम से कम एक वृक्ष लगाएं और उसका पालन करें। जल, वायु और ध्वनि प्रदूषण को कम करने की कोशिश करें। प्रकृति के प्रति एक सजग, संवेदनशील और समर्पित दृष्टिकोण अपनाएं। वर्ष 2025 का यह विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस हमें प्रकृति से नया रिश्ता बनाने का अवसर देता है, एक ऐसा रिश्ता जिसमें हम उपभोगकर्ता नहीं, बल्कि संरक्षक और सहयात्री बनें। यदि हम प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करते हैं, तो प्रकृति भी हमें जीवन, स्वास्थ्य, और समृद्धि प्रदान करेगी। प्रकृति हमारी माँ है, उसका अपमान नहीं, सम्मान करें; उसके घावों को और न बढ़ाएं, अब उन्हें मरहम दें। अब समय है पुनर्स्थापन, पुनर्जीवन और पुनःकल्पना के मंत्र को अपने जीवन में उतारने का, ताकि एक हरित, सुरक्षित और सुंदर पृथ्वी आने वाली पीढ़ियों को विरासत में दी जा सके। इसके लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।

तिरिया पंचायत में भ्रष्टाचार की परतें उधड़ीं – रखरखाव, नाली सफाई और सोलर लाइट में लाखों का घोटाला, सचिव का मीडियाकर्मी को धमकी भरा चैलेंज!

जगदलपुर /मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत तिरिया में शासकीय योजनाओं की आड़ में चल रहे भ्रष्टाचार के खेल का पर्दाफाश हुआ है। जनपद पंचायत जगदलपुर के अंतर्गत आने वाली इस पंचायत में रखरखाव के नाम पर लाखों रुपए के घोटाले का मामला सामने आया है। सबसे हैरानी की बात यह है कि जब मीडिया ने सवाल उठाए, तो पंचायत सचिव अरुण रोटिया ने जवाब देने के बजाय उल्टा चुनौती देते हुए कहा – ÷मेरे नाम से जो करना है करो!÷

लाखों की मरम्मत राशि, ज़मीनी हकीकत — शून्य -प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, वर्ष 2021-22 में ?49,000 और 2022-23 में ?50,000 की राशि पंचायत भवन की मरम्मत और रखरखाव के लिए दर्शाई गई, लेकिन मौके पर एक ईंट तक नहीं लगाई गई। यह राशि ÷बाव्नद्रुग्वाल्ल÷ नाम के एक फर्जी ठेकेदार के नाम पर जारी की गई, जिसकी कोई वास्तविकता नहीं है।

फर्जी भुगतान, गंदी नाली -पटेलपारा मोहल्ले में एक व्यक्ति के नाती के नाम पर ?40,000 नाली सफाई के लिए भुगतान किया गया, जबकि नाली आज भी गंदगी से भरी है। यह दर्शाता है कि योजनाएं केवल कागज़ों पर चल रही हैं, ज़मीनी हालात बदतर हैं।

सोलर लाइट घोटाला भी उजागर -पंचायत रिकॉर्ड में सोलर स्ट्रीट लाइट्स की बड़ी संख्या दर्ज है, लेकिन गांव में केवल 2 लाइट्स ही दिख रही हैं। ग्रामीणों का सवाल है – बाकी लाइटें कहाँ हैं? क्या इनका बजट भी किसी की जेब में चला गया?

जवाब देने की बजाय धमकी! -जब इन अनियमितताओं पर पंचायत सचिव अरुण रोटिया से सवाल किया गया, तो उन्होंने मीडिया से उलझते हुए कहा – ÷मेरे नाम से जो करना है करो!÷क्या एक जिम्मेदार पदाधिकारी का यह रवैया दर्शाता है कि वह किसी उच्चस्तरीय संरक्षण में है?

अब जनता सवाल कर रही है:

क्या जनधन से ऐसे ही लूट मचती रहेगी?

क्या प्रशासन को सब कुछ पता है और फिर भी चुप है?

क्यों दोषियों के खिलाफ कोई सख्त कदम नहीं उठाया जा रहा?

ग्रामीणों ने मांग की है कि इस मामले की उच्चस्तरीय जांच हो और दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिले।

यह सिर्फ तिरिया की नहीं, छत्तीसगढ़ की पंचायत प्रणाली की विश्वसनीयता का सवाल है।

कटेकल्याण जनपद उपाध्यक्ष भीमसेन मंडावी ने किया मोखपाल, बड़ेगुड़रा, पखनाचुआ में स्कूलो एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण

शिक्षकों को दिया बच्चों को गर्म पानी एवं गर्म मध्यान भोजन खिलाने का आदेश

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले के कटेकल्याण विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत मोखपाल, बड़ेगुड़रा,पखनाचुआ पहुंचे जनपद पंचायत कटेकल्याण के उपाध्यक्ष भीमसेन मांडवी। जनपद उपाध्यक्ष द्वारा लगातार अपने जनपद पंचायत क्षेत्र के विकास हेतु तत्पर रहते हैं और आयें दिन अपने जनपद क्षेत्र का दौरा कर लगातार ग्रामीणों की समस्याओं को दूर करने के साथ ही शासन की योजनाओं को भी अपने जनपद क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचा रहे हैं । जनपद उपाध्यक्ष भीमसेन मंडावी अपने एक दिवसीय दौरे पर बीते गुरुवार को ग्राम पंचायत मोखपाल, बड़ेगुड़रा एवं पखनाचुआ में स्कूलो तथा आगनबाड़ी केंद्रों का दौरा किया । भीमसेन मंडावी द्वारा बच्चों से खाने गुणवत्ता पूछा गया, बच्चों ने कहा मीनू आधार पर बनता है । भीमसेन मंडावी ने हेडमास्टर को निर्देश दिया की बरसात के मौसम में बच्चों को मध्यान भोजन गर्म ही खिलाएं एवं बच्चों को गर्म पानी और बैठने वाले जगह पर साफसफाई का विशेष ध्यान रखा जाए और आंगनबाड़ियों मे हर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सुझाव भी दिया गया जो भी कुपोषित बच्चे आते हैं, उनको विशेष रूप से ध्यान दिया जाए। बच्चों को मनोरंजन भी कराया जाए और जो बच्चे नहीं आते है उनको सहायिका के माध्यम से बुलाया जाए ।बच्चों को अ से अनार,आ से आम एवं क्ष्ट्ष भी सिखाया जाए, बच्चे आंगनबाड़ी में ही पढ़कर स्कूल में जाते हैं सीखते हैं । ऐसे ही सुझाव भीमसेन मंडावी द्वारा स्कूलों में भी शिक्षकों को दिया गया है कि बच्चों को शिक्षा बच्चों को शिक्षा के साथ साथ मनोरंजन , स्थानीय खेल , सामान्य ज्ञान का भी शिक्षा दिया जाए। इस अवसर पर स्कूली शिक्षक गण, स्कूली बच्चे,आंगनवाड़ी सुपरवाइजर एवं कार्यकर्तागण एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

एलिगेंट पब्लिक स्कूल में मनाई गई नाग पंचमी, सर्पमित्र विवेक शर्मा का किया सम्मान

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

एलिगेंट पब्लिक स्कूल में नाग पंचमी शिक्षा परख एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मनाई गई। छोटा स्पेक्टिकल कोबरा लेकर कार्यक्रम में पहुंचे सर्पमित्र विवेक शर्मा ने इस अवसर पर स्कूली छात्रों एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को सभी सर्प एवं नाग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।स्मार्ट बोर्ड पर अपने सहयोगी पवन तिवारी के साथ सचित्र रूप से सर्प के बताया कि छत्तीसगढ़ में मुख्य रूप से करैत एवं नाग जाति के साथ ही जहरीले होते हैं।इसके अलावा वुल्फ स्नेक और धमना पीटपीटी विष रहित होते हैं। बारिश के दिनों में विशेष कर करैत सांप से सावधान एवं बचकर रहना चाहिए। प्रायः देखा जाता है सर्पदंश से होने वाली मृत्यु के पीछे करैत सांप ही होता है ।उन्होंने बताया कि महाभारत काल में अर्जुन के पोते परीक्षित की मौत तक्षक सांप के काटने से हुई थी तो परीक्षित के पुत्र जन्मेय ने अपने पिता की मृत्यु का बदला लेने के लिए नाग दाह यज्ञ का आयोजन किया था।जिस यज्ञ में सभी सांप यज्ञ कुंड में आकर जलने लगे।जब तक्षक सांप का नाम लिया गया तब आस्तिक मुनि ने जन्मेय से तक्षक को बचाया और उसे पर शीतल दूध डालकर अग्नि की गर्मी शांत की। शर्मा ने बताया कि सांप दूध नहीं पीते हिंदी फिल्मों में दिखाकर यह भ्रांति लोगों में फैला दी गई है। उन्होंने सर्प संबंधी बच्चों की जिज्ञासा भी शांत की और उन्हें सर्प से डरना नहीं और पहले से उलझना नहीं है का सूत्र दिया। कार्यक्रम समाप्ति के पूर्व नागेंद्र गुप्ता, विक्की मनमानी,अनिल सोनी एवं एलिगेंट परिवार ने सर्पमित्र विवेक शर्मा और उनके सहायक सर्पमित्र पवन तिवारी का फूल माला और श्रीफल से सम्मान किया ।इस अवसर पर प्रिंसिपल -बिश्वजीत रथ,सारिका अग्रवाल ,रजनी तिवारी ,सुनीता बरेठ ,चंद्रिका साहू सोनाली शाह ,अंतरा कर्ष,ज्योति शर्मा ,ज्योति सोनी ,प्रगति पांडे,मनीषा पटेल ,भूमिका पटेल अंजली केंवट,श्वेता साहू ,शिवम् सोनी एवं स्कूली छात्र छात्राएं उपस्थित थे। अंत में स्कूल के प्रिंसिपल ने आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 में जनभागीदारी से बनेगी जिले की रैंकिंग

एसएसजी 2025 मोबाइल ऐप के माध्यम से दे सकते हैं फीडबैक

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 का आयोजन भारत सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा किया जा रहा है। यह राष्ट्रीय स्तर का सर्वेक्षण 25 जून से 14 अगस्त 2025 तक चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य ग्राम पंचायतों की स्वच्छता व्यवस्था का आकलन कर उन्हें रैंकिंग देना है। जिले और राज्य की रैंकिंग इसी के आधार पर तय की जाएगी। ग्राम पंचायतों में ग्रामीण एसएसजी 2025 मोबाइल ऐप के माध्यम से दे सकते हैं अपना फीडबैक दे सकते है। सर्वेक्षण का कार्य भारत सरकार द्वारा चयनित स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से किया जा रहा है। इस सर्वेक्षण की सफलता जनभागीदारी पर निर्भर है, इसलिए राज्य सरकार द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि ग्राम पंचायतों में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। एसएसजी 2025 मोबाइल ऐप के माध्यम से ग्रामीण नागरिक अपने गांव की सफाई, शौचालय की स्थिति, कचरा प्रबंधन, और सामुदायिक स्थलों की स्वच्छता पर सीधे प्रतिक्रिया दे सकते हैं, जो सर्वेक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गोकुल रावटे ने जिलेवासियों से विशेष रूप से अपील की है कि वे एसएसजी 2025 ऐप पर अधिक से अधिक अभिमत देकर जिले को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने में योगदान दें। जांजगीर-चांपा जिला देशभर में स्वच्छता के क्षेत्र में शीर्ष स्थान प्राप्त करे। इसके लिए आवश्यक है कि हर नागरिक स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी निभाकर वह शौचालय का नियमित उपयोग हो, कचरा न फैलाना, सामुदायिक स्थलों की सफाई, या फिर एसएसजी 2025 ऐप पर अपनी राय दे सकते है।

जिले में घुमंतू पशुओं को लगाया जा रहा रिफ्लेक्टीव बेल्ट और टैग

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

उपसंचालक पशुचिकित्सा सेंवाएं डॉ. ए. एल. सिंह ने बताया कि कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में घुमन्तु पशुओं की सुरक्षा के तारतम्य मे जिले के सभी प्रमुख राजमार्गो मे विभाग द्वारा रेडियम रिफ्लेक्टीव बेल्ट लगाकर टैगिंग किया जा रहा है, जिससे सड़कों पर इनके बैठने या आने से रात में वाहन चालको को दूर से पशुओं के होने का आभास हो सके तथा पशुओं व आम नागरिकों को दुर्घटना की संभावनाओं से बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि अब तक 183 पशुओं मे रेडियम रिफ्लेक्टीव बेल्ट लगाया जा चुका है तथा 2385 पशुओं मे टैगिंग किया जा चुका है एवं उक्त कार्य निरंतर जारी है। साथ ही घुमंतु पशुओ मे एफएमडी, गलघोटु एवं एकटंगिया रोग के विरूद्ध रोग प्रतिबंधात्मक टीकाकरण भी किया जा रहा है।

कांकेर में मध्यस्थता जागरूकता के लिए ई-रिक्शा प्रचार रथ रवाना'

कांकेर/मूक पत्रिका

कांकेर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं मीडिएशन एंड काउंसिलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी (एमसीपीसी), नई दिल्ली के मार्गदर्शन में संचालित 90 दिवसीय मध्यस्थता जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत शहर में विशेष प्रचार रथ (ई-रिक्शा) को हरी झंडी दिखाकर नगर भ्रमण के लिए रवाना किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कांकेर की सचिव शांति प्रभु जैन ने प्रचार रथ को रवाना किया। ई-रिक्शा में साउंड बॉक्स लगाकर पूरे नगर में मध्यस्थता से जुड़ी जानकारी प्रसारित की जा रही है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस वैकल्पिक विवाद समाधान प्रक्रिया के महत्व को समझ सकें।इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को यह जागरूक करना है कि वे अपने आपसी विवादों को अदालत से बाहर सौहार्दपूर्ण और समयबद्ध तरीके से मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाएं। कार्यक्रम में विधिक सेवा प्राधिकरण के पदाधिकारी, पैनल अधिवक्ता, पैरालीगल वालंटियर्स और अन्य नागरिक मौजूद रहे। यह अभियान आगामी 90 दिनों तक विभिन्न माध्यमों से जनसामान्य को मध्यस्थता के महत्व से परिचित कराता रहेगा।

परिवार परामर्श केन्द्र जांजगीर में प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों का किया जा रहा त्वरित निराकरण

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

परिवार परामर्श केन्द्र के सदस्य /काउंसलर की उपस्थिति में बैठक आयोजित कर एक माह (जुलाई) में 149 प्रकरणों की सुनवाई कर किया गया निराकरण। सुनवाई उपरांत 34 प्रकरणों में राजीनामा कराया गया। जिला पुलिस द्वारा पुलिस परिवार परामर्श केन्द्र, जांजगीर में संचालित किया जा रहा है जिसमें आवेदक/आवेदिकाओं द्वारा विभिन्न प्रकार की समस्याओं जैसे घरेलु हिंसा, पति-पत्नी में आपसी विवाद, दहेज प्रताड़ना, परिवारिक सामंजस्य, नशाखोरी से उपजे विवाद, शारिरिक शोषण, मारपीट, आर्थिक समस्या एवं अन्य समस्या से पीड़ित परिवार को पुलिस परिवार परामर्श केन्द्र जांजगीर द्वारा आवेदक /अनावेदकों को बुलाकर परिवार, न बिखरे इस बात को ध्यान में रखते हुए पति/पत्नी को समझाईश देकर दोनों को एक- दूसरे की भावनाओं का आदर करते हुए शांति से रहने के लिए सुझाव देते हुये परिवारों को मिलाया गया।

परिवार परामर्श केंद्र का उद्देश्य पुलिस थाना एवं न्यायालय जाने से पूर्व दोनों पक्षों को समझाइस देना, छोटी-छोटी बात को लेकर पति-पत्नी में मनमुटाव, वैचारिक मतभेद एक दूसरे को शक संदेह करना जिसके कारण लड़ाई झगड़ा होकर पति - पत्नी अलग-अलग रहते हैं। ऐसे प्रकरण प्राप्त होने पर काउंसलर के द्वारा अत्यंत धैर्य से दोनों पक्ष को सुनकर आवश्यक समझाइस देकर परिवार को टूटने से बचा लिया जाता है । माह जुलाई 2025 में 194 प्रकरणों की काउंसलिंग की गई जिसमें 34 प्रकरण राजीनामा, 29 प्रकरण माननीय न्यायालय जाने, 14 प्रकरण कानुन कार्यवाही संबंधित थाना चौकी को भेजा गया। परिवार परामर्श केन्द्र की बैठक में मामलों की सुनवाई में परामर्श दात्रि काउंसलर/सदस्यगण एवं छ्रस्क श्रीमती सात्यकला रामटेके, निशा पाण्डेय, एनूका तिर्की, कविता भारद्वाज, महिला आरक्षक नीतू फ़्रें, रेणु कुजूर, लक्ष्मी, सुधा सोम उपस्थित थे।

जल आवर्धन योजना के कार्यों की जांच में मिली खामियां, गुणवत्ता सुधार के निर्देश

जांजगीर चांपा/सक्ती /मूक पत्रिका

नगर क्षेत्र में संचालित जल आवर्धन योजना के कार्यों की समीक्षा हेतु जांच टीम ने बीते गुरुवार को निरीक्षण किया। जांच दल में अपर कलेक्टर के.एस. पैकरा, पीएस एचई (मंडला) से अधिकारी, एसडीओ पवन अगवाल शामिल रहे। टीम ने शक्ति नगर के वार्ड क्रमांक 17 एवं 18 में चल रहे कार्यों का निरीक्षण कर गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए तथा कार्य को इस प्रकार करने कहा कि आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान मिरौनी बैराज, महानदी प्लांट एवं टेमर में स्थापित जल संयंत्रों का भी दौरा किया गया। अधिकारियों ने संयंत्रों की स्थिति, जल आपूर्ति की व्यवस्था एवं तकनीकी संचालन की गहन समीक्षा की। इस दौरान नगर पालिका इंजीनियर नायक, ठेकेदार प्रतिनिधि अंसारी, भाजपा जिलाकोषाध्यक्ष नरेश यादव, मंडल अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, एवं जिला उपाध्यक्ष संजय रामचंद्र भी उपस्थित रहे। टीम ने स्पष्ट किया कि जल आवर्धन योजना आमजन के जीवन से जुड़ी अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, अतः इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। कार्य में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और सशक्त कदम

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आत्मरक्षा प्रशिक्षण का सफल समापन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा भारत सरकार की फ्लैगशिप योजना ÷बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ÷ के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावशाली पहल करते हुए परियोजना बेरला में एक माह का आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका समापन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बेरला में गरिमामय समारोह के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन कलेक्टर रणवीर शर्मा के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया तथा जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी सी.पी. शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर में छात्राओं को न केवल शारीरिक सुरक्षा के गुर सिखाए गए, बल्कि उन्हें सामाजिक और कानूनी रूप से भी सजग किया गया।

छात्राओं को दी गई महत्वपूर्ण जानकारी- इस प्रशिक्षण के दौरान बालिकाओं को कई विषयों पर जानकारी दी गई जैसे पॉक्सो एक्ट (प्रोटेक्शन ऑफ़चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफ्सेस), गुड टच ङ्क बैड टच की पहचान, चाइल्ड हेल्पलाइन ङ्क 1098 एवं वन स्टॉप सेंटर 181 की उपयोगिता, घरेलू हिंसा और लैंगिक उत्पीड़न से बचाव, बाल विवाह की रोकथाम और इससे जुड़े कानूनी प्रावधान, लैंगिक समानता और मासिक स्वच्छता का महत्व, साइबर क्राइम से सुरक्षा के उपाय, बालिकाओं को आत्मविश्वास से किया गया सशक्त एक माह तक चले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षक भानुप्रताप साहू द्वारा आत्मरक्षा की विभिन्न तकनीकों का अभ्यास कराया गया। बालिकाओं में आत्मविश्वास, साहस और सजगता का संचार हुआ, जिससे वे भविष्य में किसी भी आपात स्थिति से निपटने में सक्षम होंगी।समापन कार्यक्रम में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जयप्रकाश करमाकर, एबीईओ अवधेश उइके, विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती पूर्णिमा दास, परियोजना अधिकारी डॉ. विद्यानंद बोरकर (एकीकृत बाल विकास परियोजना बेरला), महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब) से राजीव कुमार वर्मा (जिला मिशन समन्वयक), जेंडर विशेषज्ञ सेवंतिका एवं तमन्ना, सखी वन स्टॉप सेंटर से केंद्र प्रशासक राखी यादव एवं पर्यवेक्षक आरती बंजारे, तथा विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

छात्राओं को सम्मान स्वरूप दिए गए प्रशस्ति पत्र-प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली सभी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों ने बालिकाओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह कार्यक्रम न केवल बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, बल्कि समाज में महिला सशक्तिकरण की भावना को भी मजबूती प्रदान करता है। महिला एवं बाल विकास विभाग की यह पहल आने वाले समय में एक सकारात्मक बदलाव की आधारशिला बनेगी।

जिले में कार्यरत सहायक उप निरीक्षक गुहाराम वारे के सेवानिवृत्त होने पर दी गई भाव पूर्ण विदाई

श्रीफल, शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर किया गया सम्मान

सहायक उप निरीक्षक गुहाराम वारे ने पुलिस विभाग में लगभग 39 वर्ष तक अपनी सेवाएं दी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के पुलिस विभाग में कार्यरत सहायक उप निरीक्षक गुहाराम वारे के सेवानिवृत्त होने पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय बेमेतरा में उन्हें भाव पूर्ण विदाई दी गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने सहायक उप निरीक्षक गुहाराम वारे के स्वस्थ्य एवं सुदीर्घ जीवन की कामना की। वे अब अपने परिवार को भरपूर समय दे पाएंगे। उल्लेखनीय है कि सहायक उप निरीक्षक गुहाराम वारे ने पुलिस विभाग में लगभग 39 वर्ष अपनी सेवाएं दी। इस दौरान जिला दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले के विभिन्न थाना/चौकी में अपनी सेवा प्रदान की।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने श्रीफल, शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका सम्मान किया। एसएसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू ने कहा कि पुलिस विभाग में सेवा के दौरान अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अपने सेवा के दौरान सहायक उप निरीक्षक गुहाराम वारे ने मुस्तैदी से अपनी ड्यूटी निभाई सेवा के दौरान अपनी कार्यकुशलता का परिचय देते हुए कार्य किये।

ज्ञात हो कि सहायक उप निरीक्षक गुहाराम वारे सन 1987 में आरक्षक के पद पर जिला दुर्ग में भर्ती हुए थे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू ने कहा कि सहायक उप निरीक्षक गुहाराम वारे ने पुलिस विभाग में शालीन एवं मुस्तैदी से अपनी ड्यूटी निभाई गृह विभाग में संवेदनशील होकर ड्यूटी करनी पड़ती है। इसका उन्होंने बखूबी निर्वहन किया। पुलिस परिवार की ओर से हम उनके स्वस्थ्य, दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना करते है।

सहायक उप निरीक्षक गुहाराम वारे ने अपने सेवाकाल के दौरान अपने खट्टे मीठे अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा कि अपने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं स्टाफ से मिले भरपूर सहयोग से अपनी ड्यूटी तत्परतापूर्वक निभाई इसके लिए उन्होंने अपने स्टाफ का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर मुख्यलिपिक उप निरीक्षक (अ) हरिओम विश्वकर्मा, उप निरीक्षक प्रदीप देशमुख, स्टेनो सउनि (अ) अजय कुमार देवांगन, सउनि (अ) संतोष सोनवानी, लुमेश देवांगन, महेन्द्र भुआर्य, प्रवीण लोहले, दीपक गर्जेलवाल, एसएसपी रीडर विष्णु सप्रे, महिला प्रधान आरक्षक वर्षा चौबे, मीडिया बंधु आनंद साहू, कोमल राजपूत एवं सेवानिवृत्त सहायक उप निरीक्षक गुहाराम वारे की पत्नी श्रीमती लक्ष्मी देवी, पूत्र पंकज वारे, भानुप्रताप वारे सहित पुलिस कार्यालय के अधि./कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम कुम्हीगुड़ा शासकीय प्राथमिक शाला के बालक/बालिकाओं को अपराध के प्रति सजग रहने का दिया संदेश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, डीएसपी श्रीमती संतोषी ग्रेस के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा प्रति दिन पुरे जिले में बाल सुरक्षा पर आधारित ÷अभिव्यक्ति÷ अभियान एवं महिला शसक्तिकरण, बालक/बालिकाओ/ महिलाओं की सुरक्षा, नशा मुक्ति के खिलाफ एवं सायबर अपराध, महिलाओं एवं बच्चो संबंधित अपराधों व यातायात के नियमों एवं चलित थाना सामुदायिक पुलिसिंग के लिए ÷हमर पुलिस हमर बजार÷ एवं ÷हमर पुलिस हमर गांव÷ अभियान के माध्यम से माध्यम से जिले के हॉट/बाजारों, गांव एवं स्कुल, कालेजों में छात्र/छात्राओं, आमजनों को जागरूक करने जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

हमर पुलिस हमर गांव÷ अभियान के माध्यम से पुलिस चौकी देवकर प्रभारी सहायक उप निरीक्षक उदल राम टांडेकर, व अन्य स्टाफ के द्वारा शिक्षक/शिक्षिकाएं व ग्राम कुम्हीगुड़ा शासकीय प्राथमिक शाला के बालक/बालिकाओं की उपस्थिति में ÷अभिव्यक्ति÷ महिला सुरक्षा ऐप के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर प्रचार प्रसार किया गया। बालक/बालिकाओं को गुडटच व बेडटच, सेल्फ डिफेंस, बच्चों के साथ होने वाले अपराधों और अत्याचार/शोषण, बाल श्रम, भिक्षावृत्ति आदि की सूचना किसी भी नागरिक द्वारा चाईल्ड हेल्पलाईन नंबर 1800-123-6010 पर देने के संबंध में जानकारी देकर प्रचार-प्रसार एवं उपयोग के संबंध में बताया गया तथा बालिकाओं/महिलाओ पर हो रहे अपराध एवं मोबाइल से सम्बन्धित होने वाले अपराध एवं उनके रोकथाम तथा महिलाओ एवं बालिकाओ पर हो रहे लैंगिक शोषण के बचाव एवं कारण से संबंधित तथा सायबर अपराधों से बचाव हेतू महत्तवपूर्ण जानकारी साझा की गई। हमें सदैव जागरूक रहने और घटना घटित होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करने अपील की गई। साथ ही यातायात नियमों का पालन करने, वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने की आवश्यकता को बताया गया। तथा अन्य यातायात संबंधी नियमों से अवगत कराते हुये अन्य कानूनी जानकारियां दी गई।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ
जागरूकता कार्यक्रम
साईबर क्राईम
से सुरक्षा हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

मूक पत्रिका/ मुंगेली - बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, साइबर सुरक्षा और बाल संरक्षण जैसे अहम विषयों पर बुधवार को मुंगेली जिले में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय और शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय में सम्पन्न हुआ। इस संयुक्त कार्यक्रम का आयोजन जिला बाल संरक्षण इकाई, पुलिस विभाग, सखी वन स्टॉप सेंटर और चाइल्ड हेल्पलाइन की सहभागिता से किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला बाल संरक्षण अधिकारी अंजुबाला शुक्ला ने बच्चों को उनके अधिकारों, बाल विवाह की रोकथाम, बाल संरक्षण समिति की भूमिका और बाल शोषण से जुड़े कानूनों–विशेषकर बाल कल्याण अधिनियम 2012–की विस्तृत जानकारी दी। पुलिस विभाग की प्रतिनिधि शोभा यादव ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा से जुड़ी आवश्यक सावधानियाँ एवं सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार के बारे में बताया। उन्होंने इंटरनेट के माध्यम से होने वाले अपराधों से सतर्क रहने की अपील की।

चाइल्ड हेल्पलाइन के केन्द्र समन्वयक उमाशंकर कश्यप ने हेल्पलाइन नंबर 1098 की जानकारी दी और बताया कि यह सेवा बाल श्रमिकों, संकट में फंसे या शोषित बच्चों के लिए निःशुल्क उपलब्ध है।

कार्यक्रम में दोनों विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से वासुदेव आयंगर, श्यामबाई कुर्रे, संजय बघेल और लक्ष्मीनारायण सोनवानी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों और किशोरों को न केवल जागरूक बनाना था, बल्कि उन्हें सशक्त बनाना भी था, ताकि वे अपने अधिकारों की रक्षा कर सकें और किसी भी प्रकार के शोषण या खतरे से स्वयं को सुरक्षित रख सकें।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कारली पहुंचकर सुरक्षा बल के जवानों को राखी बांधकर शुभकामनाएं दीं

जवानों की वीरता को नमन किया और कहा आप देश के प्रहरी है

मूक पत्रिका/ सुरजपुर - महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने दंतेवाड़ा प्रवास के दौरान सुरक्षा कैम्प कारली पहुंचकर जवानों से मुलाकात की। उन्होंने जवानों को राखी बांधी और उन्हें रक्षा पर्व की अग्रिम बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने जवानों के प्रति अपना आभार और सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी देश के प्रहरी हैं। यह राखी केवल एक रक्षासूत्र नहीं, बल्कि आपके प्रति हमारे विश्वास, कृतज्ञता और सम्मान का प्रतीक है। आपकी वीरता और अनुशासन, पूरे समाज के लिए प्रेरणा है। हम अपने घरों में सुरक्षित हैं, यह आपकी कर्तव्य परायणता की बदौलत है। आपकी इस सेवा को हम हृदय से सम्मान करते हैं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने जवानों से आत्मीय संवाद करते हुए उनके परिवारजनों की कुशलक्षेम के बारे में जानकारी ली। उन्हें विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार उनके कल्याण और सुविधाओं के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने सभी जवानों को मिठाइयाँ बांटी। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य जनप्रतिनिधियों, महिलाओं एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा भी जवानों को राखियां बांधी गई और रक्षाबंधन पर्व अग्रिम शुभकामनाएं दी गई।

शिक्षा समिति की बैठक में पहुंचे जनपद सदस्य पवन कर्मा

मूक पत्रिका/ दंतेवाड़ा - जिले के गीदम विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत घोटपाल 01/घोटपाल 02/ जोड़ा तराई मे शिक्षा समिति का बैठक हुई।जिसमें स्कूल बच्चों का भोजन गुणवत्ता स्कूल के शिक्षकों के बारे में बच्चों को पढ़ना, बच्चों को सिखाना ,बच्चों को मनोरंजन में उत्साहवर्धन करना, संस्कृति कार्यक्रम, स्कूलों में जो समस्या आती है ऐसे विषयो पर चर्चा कि गई।इसके साथ ग्रामीणों से प्रधानमंत्री आवास जैसे योजना का भी चर्चा किया गया है, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षक समिति सदस्य एवं जनपद सदस्य पवन कर्मा, जनपद सदस्य श्रीमती अनिता नेताम, सरपचं घोटपाल लक्ष्मण लेकामी, उपसरपंच संतू लेकामी, घोटपाल, 2सरपचं बसती लेकमी, उपसरपंच चमरा राम लेकामी, झोडातराई सरपंच डिमनलाल लेकामी, ग्राम पंचायत के समस्त सियान, लखमू राम कश्यप, कलूराम लेकमी ,संकुल केंद्र प्रभारी देवेंद्र सोनी, गांव के पटेल धनीराम लेकामी,रमेश कडती, मोहन सेठिया, बलराम, सेठिया, सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की अध्यक्षता में पंचायत विभाग की मैराथन बैठक चला घंटो

मूक पत्रिका/ रायपुर - बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की की जा रही गहन समीक्षा।

बैठक में प्रमुख सचिव पंचायत विभाग श्रीमति निहारिका बारीक सिंह, सचिव भीम सिंह, संयुक्त सचिव धर्मेश कुमार साहू, आयुक्त महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना और संचालक, प्रधानमंत्री आवास योजना, संचालक पंचायत श्रीमती प्रियंका महोबिया के अलावा विभाग के अधिकारी उपस्थित।

ग्राम पंचायत तरवरपुर को मिली खाद्यान्न भंडारण संरचना की सौगात

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने ग्रामीणों को सौंपा स्वीकृति पत्र

मूक पत्रिका/ मुंगेली - विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत तरवरपुर के ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग आखिरकार पूरी हो गई। ग्राम में खाद्यान्न भंडारण के लिए नई संरचना के निर्माण को मंजूरी मिल गई है। इस अवसर पर आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर कुन्दन कुमार ने ग्रामीण प्रतिनिधियों को स्वीकृति पत्र सौंपा।

ग्राम पंचायत तरवरपुर के सरपंच एवं ग्रामीणजन हाल ही में जिला कलेक्टोरेट में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे थे और उन्होंने अपने गाँव में खाद्यान्न के सुरक्षित भंडारण के लिए आवश्यक संरचना की अनुपलब्धता को लेकर ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने बताया कि संरचना के अभाव में खाद्यान्न के संग्रहण और वितरण में लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर कुन्दन कुमार ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया था कि वे आवश्यक कार्रवाई निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करें। शासन स्तर से स्वीकृति प्राप्त होते ही कलेक्टर ने ग्रामीणों को यह सौगात प्रदान की।

इस पहल से ग्राम तरवरपुर में अब खाद्यान्न की सुरक्षा, बेहतर भंडारण सुविधा और वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सकेगी। इससे न केवल खाद्यान्न की बर्बादी रुकेगी, बल्कि सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में भी सहूलियत मिलेगी।

ग्रामवासियों ने प्रशासन की तत्परता और संवेदनशीलता की सराहना करते हुए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय भी उपस्थित रहे।

नकली व मिलावटी खाद्य सामग्री के विरुद्ध जिले में प्रशासन की सख्त कार्रवाई

मूक पत्रिका/ मुंगेली - आगामी रक्षाबंधन त्यौहार को देखते हुए जिले में खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने हेतु मिलावटी और नकली खाद्य सामग्री के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा सघन निरीक्षण अभियान चलाया गया। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एसडीएम मुंगेली पार्वती पटेल द्वारा गठित खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया।

अभियान के टीम ने जिला मुख्यालय में वैष्णव मिष्ठान्न भंडार व विष्णु हॉटल पड़ाव चौक, श्रीराम हॉटल एण्ड स्वीट्स व चंद्रशिखा हॉटल दाउपारा, जोधपुरी स्वीट्स बालानी चौक के साथ ही जायसवाल खोवा भंडार फास्टरपुर में खोवा, कुंदा, मिल्क केक, पनीर जैसे दुग्धजन्य पदार्थो की शुद्धता और गुणवत्ता की जांच किया और लूज छेना रसगुल्ला एवं लूज यूज्ड कुकिंग ऑयल और लूज पेड़ा का नमूना लेकर जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों व होटल संचालकों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थो को अखबार में लपेटने व परोसने पर भी सख्त मनाही की गई। साथ ही परिसर में सफाई रखने, हैंड ग्लब्स एवं कैप का उपयोग करने, खाद्य वस्तुओं को ढककर रखने और स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि पूर्व में पाए गए अमानक खाद्य मामलों में कार्रवाई करते हुए न्यू साहू जलपान गृह चंद्रखुरी, शिव बाबा श्याम फैमिली ढाबा सरगांव, संगी रेस्टोरेंट पथरिया, मारूति किराना एण्ड जनरल स्टोर्स पथरिया आदि प्रतिष्ठानों पर 01-01 लाख रूपए का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने आमजनों से अपील की है कि त्योहार के अवसर पर मिठाई व अन्य खाद्य सामग्री खरीदते समय उसकी निर्माण विधि, समाप्ति तिथि अवश्य जांचें और केवल प्रमाणित दुकानों से ही सामान खरीदें, जिससे स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से बचा जा सके। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी पुष्पा खाखा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

छात्रों से की संवाद, समस्याएं सुनीं, शीघ्र समाधान का दिया आश्वासन

बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने किया सरगीपाल बालक छात्रावास का औचक निरीक्षण

बस्तर/मूक पत्रिका

विधायक लखेश्वर बघेल ने ग्राम पंचायत सरगीपाल स्थित बालक छात्रावास का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास की जर्जर अवस्था पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए, छात्रों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।

छात्रों ने विधायक बघेल के समक्ष कंबल और जर्सी की मांग रखी, जिस पर उन्होंने शीघ्र आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया निरीक्षण के समय छात्रावास अधीक्षक एवं भृत्य दोनों अनुपस्थित पाए गए, जिसको लेकर विधायक ने गंभीर नाराज़गी व्यक्त की उन्होंने बच्चों से भोजन, स्वास्थ्य, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी ली।

विधायक क्षेत्रीय बघेल ने इस अवसर पर संध्या कालीन प्रार्थना में भाग लेकर बच्चों का उत्साहवर्धन भी किया इस दौरान, दो बच्चों की तबीयत खराब होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने तत्काल दूरभाष पर अधीक्षक को निर्देशित किया कि इलाज की समुचित व्यवस्था की जाए, और भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति न हो, यह सुनिश्चित करने को भी कहा।

छात्रावास परिसर की साफ-सफाई की स्थिति पर ध्यान आकर्षित करते हुए विधायक ने निर्देशित किया कि स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरदास नहीं की जाएगी। उन्होंने उपस्थित भृत्य को नियमित साफ-सफाई बनाए रखने के स्पष्ट निर्देश दिए।

निरीक्षण के अंत में विधायक ने आश्वस्त किया कि छात्रावास की मरम्मत, संसाधनों की आपूर्ति एवं आधारभूत ढांचे के उन्नयन हेतु प्रस्ताव संबंधित विभाग को शीघ्र भेजा जायेगा।

छात्रवास की बदहाल स्थिति उजागर, अधिक्षक के कमरे में व्यवस्थाएं चाकचौबंद क्षेत्र के एक सरकारी छात्रावास का हाल ही में हुए निरीक्षण में दयनीय हालात सामने आए छात्रावास की इमारत काफी जर्जर हालत में है और बच्चों के कमरों में लगातार पानी रिसाव की समस्या बनी हुई है सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि भवन के रखरखाव और मरम्मत की कोई भी व्यवस्था नजर नहीं आई।

वहीं, निरीक्षण के दौरान जब छात्रावास के अधिक्षक के ऑफिस का जायजा लिया गया तो वहां साफ-सफाई और बेहतर रखरखाव देखने को मिला, जिससे यह सवाल उठता है कि जहां एक ओर कार्यालय को सुसज्जित रखा गया है, वहीं बच्चों के रहने की जगह पर लापरवाही क्यों बरती जा रही हैं।

बच्चों से जब पूछा गया कि क्या उन्हें ठंड से बचाव के लिए कंबल उपलब्ध कराए गए हैं, तो उन्होंने शालीनता से बताया कि उन्होंने घर से ही कंबल की व्यवस्था की है हैरानी की बात यह रही कि अधिक्षक के कमरे में कंबलों का बंडल रखा हुआ मिला, जो अभी तक बच्चों तक वितरित नहीं किया गय।

इषस अव्यवस्था और भेदभाव ने जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं, और छात्रावास में रह रहे बच्चों की समस्याओं को जल्द दूर करने की ज़रूरत को उजागर किया है।

संभागायुक्त कावरे का तिल्दा नेवरा विकासखण्ड में औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

मूक पत्रिका/ रायपुर - संभागायुक्त रायपुर महादेव कावरे द्वारा वार्षिक निरीक्षण रोस्टर 2024-25 के अंतर्गत तिल्दा नेवरा विकासखण्ड के विभिन्न कार्यालयों एवं संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण में राजस्व, पंचायत, शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली का गहन मूल्यांकन किया गया।

जनपद पंचायत तिल्दा नेवरा के निरीक्षण के दौरान 16 कर्मचारी (11 जनपद और 5 मनरेगा) समय पर अनुपस्थित पाए गए, जिनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इसके अलावा विभिन्न योजनाओं की रोकड़ पंजी अद्यतन नहीं होने, बैंक समाधान विवरण की अनुपलब्धता और योजना अनुसार अलग-अलग पंजी न बनाए जाने पर सीईओ को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि प्रत्येक योजना की पृथक रोकड़ पंजी तैयार की जाए। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि कई स्वीकृत कार्य समय पर पूर्ण नहीं हुए हैं, जिन्हें शीघ्र पूर्ण करने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। साथ ही, कार्यालयों में कर्मचारियों की नेम प्लेट का अभाव पाया गया, जिसे एक सप्ताह के भीतर पूरा करने का आदेश दिया गया।

राजस्व विभाग के निरीक्षण में न्यायालय पंजी अद्यतन नहीं पाया गया, जिस पर एसडीएम शआशुतोष देवांगन को त्वरित अद्यतन कराने के निर्देश दिए गए। वहीं तहसील कार्यालय के निरीक्षण में सेवा पुस्तिका, जीपीएफपासबुक, सर्किल नोटबुक जैसी महत्वपूर्ण अभिलेख अद्यतन नहीं पाए गए। कानूनगो मिथलेश यादव को कारण बताओ नोटिस और राजस्व निरीक्षक ओ.पी. सिन्हा को कर्तव्य में लापरवाही के चलते निलंबित किया गया। स्टाम्प वेंडरों का निरीक्षण करते हुए उन्हें निर्देशित किया गया कि स्टाम्प का मूल्य वास्तविक दर पर ही वसूला जाए। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बंगोली में जीवन रक्षक एवं मौसमी दवाओं की उपलब्धता की जांच की गई, जिसमें स्टॉक पर्याप्त पाया गया।

देश पहले, बिजनेस बाद में

स्पॉन्सर ने भारत-पाकिस्तान डब्ल्यूसीएल सेमीफाइनल से नाम वापस लिया

नई दिल्ली । वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में इंडिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच सेमीफाइनल मैच 31 जुलाई को खेला जाना है, लेकिन मुकाबले पर सवालिया निशान है। टूर्नामेंट के टॉप स्पॉन्सर ने घोषणा की है कि वह डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान मैच से नहीं जुड़ेगा। डब्ल्यूसीएल के मेन स्पॉन्सर में से एक इजीमायट्रिप ने भारत-पाकिस्तान के बीच डब्ल्यूसीएल में खेले जाने वाले सेमीफाइनल मैच से नाम वापस ले लिया है। कंपनी ने अपनी इस नीति को दोहराया है कि वह पाकिस्तान से जुड़े किसी भी मैच में हिस्सा नहीं लेती।

ट्रैवल-टेक कंपनी के सह-संस्थापक निशांत पिट्टी ने एक्स पोस्ट पर लिखा, हम टीम इंडिया चैंपियंस की वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में शानदार प्रदर्शन के लिए सराहना करते हैं। आपने देश को गौरवान्वित किया है। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल कोई साधारण मैच नहीं है। आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते। हम भारत के साथ खड़े हैं। हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते, जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संबंध सामान्य करने की कोशिश करता हो। उन्होंने आगे लिखा, भारत के लोगों ने अपनी बात रखी है और हम उनकी बात सुन रहे हैं। इजीमायट्रिप, डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान मैच से नहीं जुड़ेगा। कुछ चीजें खेल से बड़ी होती हैं। देश पहले, बिजनेस बाद में।

इससे पहले, भारतीय खिलाड़ियों और एक प्रमुख टूर्नामेंट स्पॉन्सर के कड़े विरोध के बाद, भारत-पाकिस्तान की टीमों के बीच लीग चरण का मुकाबला आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया था। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए, जिसने दोनों देशों के बीच सैन्य तनाव बढ़ा दिया।

इजीमायट्रिप की ओर से जारी बयान में कहा गया, हालांकि इजीमायट्रिप ने डब्ल्यूसीएल के साथ 5 साल का स्पॉन्सरशिप एग्रीमेंट किया है, लेकिन हमारा रुख हमेशा से स्पष्ट रहा है। हम पाकिस्तान से जुड़े किसी भी डब्ल्यूसीएल मुकाबले में न तो हिस्सा लेंगे और न ही उससे जुड़ा रहेंगे। हम गर्व के साथ इंडिया चैंपियंस टीम का समर्थन जारी रखेंगे, लेकिन किसी भी ऐसे मैच का समर्थन या प्रचार नहीं करेंगे, जिसमें पाकिस्तान शामिल हो। यह स्थिति डब्ल्यूसीएल टीम को शुरू से ही स्पष्ट रूप से बता दी गई थी। हमेशा देश पहले है।

सीएएफए नेशंस कप खेलेगी भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड की तैयारी के तहत भारत की सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन (सीएएफए) नेशंस कप 2025 में हिस्सा लेगी। यह टूर्नामेंट 31 अगस्त से 8 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन ने भारत को इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। दरअसल, यह टूर्नामेंट फीफा के आधिकारिक कैलेंडर से बाहर है और मलेशिया ने लॉजिस्टिक्स संबंधी चुनौतियों और खिलाड़ियों की अनुपलब्धता के चलते इसमें हिस्सा लेने से इनकार कर दिया, जिसके बाद भारत को आमंत्रित किया गया। भारत को उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान की तरफ से संयुक्त रूप से आयोजित द्विवार्षिक सेंट्रल एशियन टूर्नामेंट में शामिल किया गया। उसे ग्रुप-बी में रखा गया है, जो दुशांबे में खेला जाएगा। भारत 29 अगस्त को मेजबान ताजिकिस्तान, 1 सितंबर को ईरान और 4 सितंबर को अफगानिस्तान से खेलेगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें प्ले-ऑफ चरण में पहुंचेंगी, जहां 8 सितंबर को दो मैच खेले जाएंगे। तीसरे स्थान का मैच दो ग्रुप उपविजेताओं के बीच दुशांबे में खेला जाएगा, जबकि दो ग्रुप विजेता टीमें ताशकंद में फाइनल खेलेंगी। उज्बेकिस्तान ग्रुप-ए की मेजबानी करेगा, जिसे ताशकंद में किर्गिज गणराज्य, तुर्कमेनिस्तान और ओमान के साथ रखा गया है। सीएएफए के छह सदस्य हैं: अफगानिस्तान, इस्लामी गणराज्य ईरान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान। ओमान और भारत सीएएफए नेशंस कप के दूसरे संस्करण के लिए आमंत्रित दो टीमें हैं। ईरान गत विजेता है, जिसने 2023 के फाइनल में उज्बेकिस्तान को 1-0 से शिकस्त दी थी। भारत को एएफसी एशियन कप क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड के अपने शुरुआती मैच में हांगकांग के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के शेष चार मैच सिंगापुर के खिलाफ (क्रमशः 9 और 14 अक्टूबर), बांग्लादेश के खिलाफ (18 नवंबर) और चीन के खिलाफ (31 मार्च 2026) घरेलू मैदान पर होंगे।

सीएएफए नेशंस कप 2025 ड्रॉ:

ग्रुप-एः उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और ओमान।

ग्रुप-बीः ताजिकिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और भारत।

भारत के मुकाबलेः

29 अगस्त- भारत बनाम ताजिकिस्तान।
1 सितंबर- भारत बनाम ईरान।
4 सितंबर- भारत बनाम अफगानिस्तान।

अभिषेक शर्मा साथी ओपनर को पीछे छोड़ बने नंबर-1 बल्लेबाज

टेस्ट रैंकिंग में ऋषभ पंत को फायदा, यशस्वी को नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार (30 जुलाई) को मेंस क्रिकेट की अपडेटेड रैंकिंग जारी की। टी20 रैंकिंग में अभिषेक शर्मा नंबर-1 बल्लेबाज बन गए। उन्होंने ट्रेविस हेड को पीछे छोड़ा। दोनों इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ओपनिंग करते हैं। अभिषेक शर्मा टी20 रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज बनने वाले भारत के तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव नंबर-1 बल्लेबाज बने थे।

मकाऊ ओपन बेडमिंटनः

आयुष शेट्टी मकाऊ ओपन के क्वार्टर फाइनल में, ध्रुव-तनिषा भी अगले दौर में पहुंचे

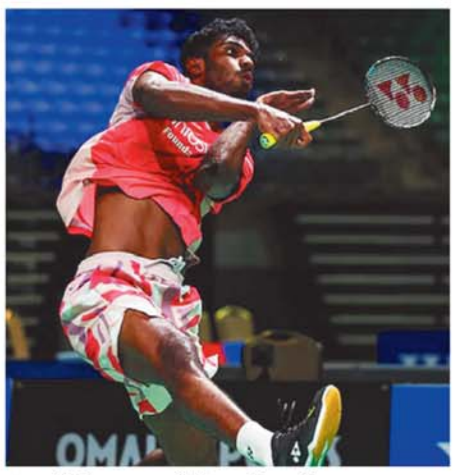

मकाऊ, एजेंसी। विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले हुआंग को केवल 31 मिनट में 21-10, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

भारत के युवा खिलाड़ी सातवें वरीय आयुष शेट्टी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बुधवार को यहां चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को सीधे गेम में हराकर मकाऊ ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले हुआंग को केवल 31 मिनट में 21-10, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। मिश्रित युगल में विश्व में 18वें स्थान पर काबिज और यहां पांचवीं वरीयता प्राप्त ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की जोड़ी भी आगे बढ़ने में सफल रही। इस भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड के रत्चपोल मक्कासितोर्न और नट्टामोन लाइसुआन को 26 मिनट तक चले मुकाबले में 21-10, 21-15 से हराया।

पुरुष एकल में सतीश कुमार करुणाकरण का सफर समाप्त हो गया। उन्हें प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के जस्टिन होह से 37 मिनट में 19-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गाडे की 34वीं रैंकिंग की जोड़ी चीनी ताइपे के वू गुआन झुन और ली चिया सिन से 37 मिनट तक चले मुकाबले में 20-22, 17-21 से हार गई।

एशिया कप फुटबॉलः

भारत महिला एशियाई कप के ग्रुप सी में, जापान-वियतनाम और चीनी ताइपे अन्य टीमें

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह अभी विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है जो एशियाई टीमों में सर्वश्रेष्ठ है। वियतनाम की विश्व रैंकिंग 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 है। भारत वर्तमान में विश्व में 70वें स्थान पर है। भारत को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप सी में जापान, पूर्व चैंपियन चीनी ताइपे और वियतनाम के साथ रखा गया है। एक से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाले 12 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ मंगलवार को सिडनी टाउन हॉल में आयोजित किये गए, जिसमें भारतीय मिडफील्डर संगीता बासफोर तीन ड्रॉ सहायकों में से एक थीं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार मार्च, 2026 को पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद भारत सात मार्च को इसी मैदान पर जापान से और फिर 10 मार्च को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में चीनी ताइपे से भिड़ेगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीम को ब्राजील में 2027 में होने वाले महिला विश्व कप में जगह मिलेगी, जबकि क्वार्टर फ़ाइनल में हारने वाली टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी, जहां इस वैश्विक प्रतियोगिता में जगह बनाने के लिए दो और स्थान दांव पर होंगे।

जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह अभी विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है जो एशियाई टीमों में सर्वश्रेष्ठ है। वियतनाम की विश्व रैंकिंग 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 है। भारत वर्तमान में विश्व में 70वें स्थान पर है और इस तरह से वह ग्रुप में सबसे कम रैंकिंग वाली टीम है। भारत के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की विज्ञप्ति में कहा, मुझे लगता है कि हमारा ग्रुप काफी दिलचस्प है, लेकिन साथ ही काफी पेचीदा भी है। जापान एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। वियतनाम और चीनी ताइपे अच्छी टीमें हैं। हम उनके साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं तथा अनुकूल परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने कहा, अब जबकि हम अपने प्रतिद्वंद्वियों को जानते हैं, तो हमें अपने मैत्री मैचों का चयन सोच-समझकर करना होगा और अच्छी तैयारी करनी होगी। एक इकाई के रूप में एकजुट रहना और अभ्यास शिविरों में कड़ी मेहनत करना, हमें एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों का सामना करने और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए तैयार होने में काफ़ी मददगार साबित होगा। ग्रुप ए में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के साथ कोरिया गणराज्य, ईरान और फिलीपींस शामिल हैं। ग्रुप बी में उत्तर कोरिया, चीन, बांग्लादेश और उज़्बेकिस्तान शामिल हैं। चीन गत विजेता है और वह रिकार्ड 10वां खिताब जीतने की कोशिश करेगा।

द. अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20आई और वनडे श्रृंखला के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रैविस हेड और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। ऑलराउंडर मैट शॉर्ट की भी टीम में वापसी हुई है, जबकि आक्रामक बल्लेबाज मिच ओवेन वेस्टइंडीज के खिलाफ कुछ प्रभावशाली प्रदर्शनों के बाद दोनों टीमों में शामिल होने के बाद अपने वनडे पदार्पण की दौड़ में हैं। नियमित वनडे कप्तान पैट कमिंस साल के अंत में व्यस्त घरेलू कार्यक्रम के कारण टीम से बाहर रहेंगे, मिशेल मार्श कार्यवाहक वनडे कप्तान बने रहेंगे जबकि उनके साथी तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को भी इस श्रृंखला से आराम दिया गया है। वेस्टइंडीज श्रृंखला के बाद शॉन एबॉट, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, तनवीर संघा, कूपर कोनोली और आरोन हार्डी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिनकी टीम से छुट्टी हो गई है। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने संकेत दिया है कि टीम अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए तैयारी जारी रखेगी। बेली ने आईसीसी के हवाले से कहा, जैसे-जैसे हम टी20 विश्व कप की ओर बढ़ रहे हैं, वेस्टइंडीज में दिखाई गई लचीलापन और गहराई, स्पष्ट परिणामों के अलावा, एक बहुत बड़ी सकारात्मक बात रही है। बल्लेबाजी क्रम में लचीलापन और गेंदबाजों की पारी के विभिन्न चरणों में गेंदबाजी करने की क्षमता विशेष रूप से देखने लायक थी।

कैनेडियन ओपनः

गॉफ ने कोलिन्स को हराया, इतो ने पाओलिनी को शिकस्त दी

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। टॉप सीड कोको गॉफ ने कैनेडियन ओपन में डेनिएल कोलिन्स के खिलाफ लगभग तीन घंटे चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। इसी के साथ उन्होंने जून में रोलां गैरो जीतने के बाद पहला मैच अपने नाम किया। गॉफ तीसरे सेट में हार से सिर्फ दो अंक दूर थीं, लेकिन उन्होंने पासा पलटते हुए आखिरकार 7-5, 4-6, 7-6(2) से जीत दर्ज की। कोलिन्स ने आखिरी 80 मिनटों में पिछड़ने के बाद वापसी की, लेकिन वह कभी भी मैच प्वाइंट तक नहीं पहुंच सकीं और अंतिम 11 में से 9 अंक गंवा बैठीं। यह मुकाबला आईजीए स्टेडियम में खेला गया।

मुकाबला जीतने के बाद कोको गॉफ ने कहा, मैं अच्छी प्रैक्टिस कर रही थी, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इस मैच में उस तैयारी के अनुरूप खेल सकी। उम्मीद है कि मैंने टूर्नामेंट का अपना खराब मैच जीत लिया है। डेनिएल शानदार बॉल स्ट्राइकर हैं। मैंने जितनी बार उनकी सर्विस ब्रेक की, उससे मुझे कुछ सकारात्मक बातें सीखने को मिलेंगी। अब गॉफ का अगला मुकाबला पूर्व टॉप-10 खिलाड़ी वेरोनिका कुडरमेतोवा से होगा। पूर्व वर्ल्ड नंबर 9 कुडरमेतोवा ने दूसरे राउंड में नंबर 29 सीड ओल्गा डानिलोविच को 6-4, 6-2 से हराया था। दूसरी ओर, आओई इतो ने सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए 7वीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी को 2 घंटे 27 मिनट में 2-6, 7-5, 7-6(5) से हरा दिया। दुनिया की 110वें नंबर की खिलाड़ी एक सेट और 4-1 से पिछड़ रही थीं। दूसरे सेट में 5-4 से पिछड़ने के बाद उन्होंने एक मैच प्वाइंट बचाया। इतो अब तीसरे दौर में जेसिका बूजास मानेरो से भिड़ेंगी।

आओई इतो ने 2025 की शुरुआत में कैनबरा में अपना पहला डब्ल्यूटीए 125 खिताब जीता और मई में शीर्ष 100 में जगह बनाई। हालांकि, सीजन में उन्होंने इस हफ्ते केटी वोलिनेट्स पर पहले दौर की जीत तक कोई टूर-स्तरीय मैच नहीं जीता था। यह डब्ल्यूटीए 1000 मेन ड्रॉ में उनकी पहली जीत भी थी। इससे पहले, बियांका एंड्रेस्कू अपने घरेलू डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में बाएं टखने की चोट के कारण दूसरे दौर के मैच से हट गईं। उनकी प्रतिद्वंद्वी, चौथी वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा, वॉकओवर के जरिए तीसरे दौर में पहुंच गईं।

भारत बनाम इंग्लैंडः

अगर पांचवां टेस्ट नहीं खेले जसप्रीत बुमराह, तो कुछ ऐसी हो सकती है प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली, एजेंसी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट में नहीं खेलेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए उन्हें इस मैच में नहीं खेलने की सलाह दी है। बुमराह ने इस सीरीज में अब तक तीन मैचों में 14 विकेट लिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पांच मुकाबलों की सीरीज में भारत के 1-2 से पिछड़ने के बावजूद, टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं ने मूल योजना के अनुसार ही आगे बढ़ने का फैसला किया है। सीरीज से पहले ही स्पष्ट कर दिया गया था कि बुमराह पांच में से सिर्फ तीन ही टेस्ट खेलेंगे। बुमराह ने हेडिंग्ले में पहला टेस्ट खेला, लेकिन एजबेस्टन में दूसरा टेस्ट नहीं खेले। इसके बाद लॉर्ड्स और ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में बुमराह मैदान पर उतरे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को बताया कि उन्हें इस सुझाव पर विचार करना चाहिए, क्योंकि यह उनकी पीठ की सुरक्षा और दीर्घकालिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए है। बुमराह इस सीरीज में धीमी और सपाट पिचों पर गेंदबाजी के लिए मजबूर हुए, जिससे उनका वर्कलोड बढ़ गया। चौथे टेस्ट में उन्होंने 33 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 112 रन देकर दो विकेट लिए। बीसीसीआई की मेडिकल टीम का मानना है कि उन्हें आराम देने से लंबे समय में फायदा होगा। अगर जसप्रीत बुमराह निर्णायक टेस्ट में नहीं उतरते, तो मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी को लीड करते नजर आ सकते हैं। जसप्रीत बुमराह के स्थान पर अर्शदीप सिंह को टेस्ट में डेब्यू का मौका मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अर्शदीप हाथ की चोट से उबर गए हैं। अगर आकाश दीप फिट रहे, तो इस जोड़ी का साथ दे सकते हैं।

ऋषभ पंत चोटिल होने के बाद सीरीज के अंतिम मैच से बाहर हो चुके हैं। उनके स्थान पर भले ही एन जगदीशन को टीम में शामिल किया गया, लेकिन अंतिम एकादश में दाएं हाथ के विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल नजर आ सकते हैं। दूसरी ओर, अंशुल कंबोज और शार्दुल ठाकुर को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा जा सकता है। कुलदीप यादव भी प्रैक्टिस सेशन में जमकर पसीना बहाते नजर आए हैं। तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर के स्थान पर इस स्पिनर को मौका दिया जा सकता है।

पांचवें टेस्ट के लिए भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन को देखा जाए, तो यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल बतौर सलामी बल्लेबाज नजर आएंगे, जबकि साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। विकेटकीपिंग का जिम्मा ध्रुव जुरेल के पास हो सकता है। रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर गेंद और बल्ले से अपनी चमक बिखरने में सक्षम हैं। तेज गेंदबाजी का भार आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज के कंधों पर डाला जा सकता है, जबकि कुलदीप यादव को स्पिन विभाग की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

राष्ट्रीय दैनिक
मूक पत्रिका
निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

लाहोद बलौदाबाजार मार्ग पर मवेशियों से यातायात में दिक्कत

आए दिन हो रहे हादसे, मवेशियों को पकड़ने के लिए नहीं चला रहे अभियान

बलौदाबाजार /मूक पत्रिका

लवन के बीच लाहोद मार्ग पर सड़कों पर घूमते मवेशियों से रोजाना हादसे हो रहे हैं। भारी वाहनों की टक्कर से मवेशियों की जान जा रही है। बाइक, तिनपहिया और चार पहिया वाहन चालक मवेशियों को बचाने के चक्कर में नियंत्रण खो बैठते हैं। इससे दुर्घटनाएं हो रही हैं। कई बार लोगों की जान भी चली जाती है। दो दिन पहले नेशनल हाईवे पर मवेशी को बचाने के प्रयास में कई हादसे हो चुके हैं। सरकार ने मवेशियों से हो रही दुर्घटनाएं रोकने योजना बनाई थी। पिछले साल सरकारी आदेश पर कुछ दिन मवेशियों को पकड़ने अभियान चला। अब यह अभियान सिर्फ दिखावा बनकर रह गया है। बलौदाबाजार से लाहोद मार्ग पर डोटोपार मुंडा के पास मवेशियों का जमावड़ा बना रहता है। इससे रोज छोटी-बड़ी घटनाएं हो रही हैं। प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया तो बड़ा हादसा हो सकता है। मुख्य मार्ग बिलासपुर जोड़ने वाली रोड तक सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा रहता है। स्टेट और नेशनल हाईवे पर एक किलोमीटर तक सैकड़ों मवेशी बैठे रहते हैं। बारिश के दिनों में मवेशी कीचड़ से बचने सूखी जगह खोजते हैं। वे बीच सड़क पर बैठ जाते हैं। ग्रामवासियो ने बताया कि कुछ दिन पहले प्रशासन ने आवारा मवेशियों को गौठान पहुंचाने अभियान चलाया था। अब मवेशियों को हांकने वाले नजर नहीं आते। जिला कलेक्टर के आदेश सिर्फ दिखावे के लिए लागू किए जाते हैं। बाद में उन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है। लोगों ने मांग की है कि ऐसे अधिकारियों पर कार्रवाई हो। क्षेत्रवासियों ने कहा कि कर्मचारी इसे लेकर कुछ नहीं कर रहे हैं। उन्हें लोगों की जान की जरा भी परवाह नहीं है। ग्राम पंचायत के लोगों ने सख्त कार्रवाई और व्यवस्था की मांग की है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

आदिवासी अंचलों तक सड़कों की पहुँच से विकास की गति होगी तीव्र - मुख्यमंत्री

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से उनके निवास पर सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण, सड़क परियोजनाओं की प्रगति और भविष्य की अधोसंरचना योजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री साय ने गडकरी को राज्य में चल रही प्रमुख सड़क परियोजनाओं की अद्यतन जानकारी दी और बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार निर्माण कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य के दूरस्थ और वनवासी क्षेत्रों को मुख्य सड़कों से जोड़ने के प्रयास तेज़ी से किए जा रहे हैं, ताकि वहाँ के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी और आर्थिक अवसर प्राप्त हो सकें। बैठक में चर्चा हुई कि औद्योगिक क्षेत्रों तथा नवगठित जिलों में सड़क नेटवर्क को सुदृढ़ करना राज्य के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष बल दिया कि सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि वे रोज़गार, निवेश और सामाजिक परिवर्तन की आधारशिला भी हैं।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने छत्तीसगढ़ सरकार की प्राथमिकताओं और दृष्टिकोण की सराहना करते हुए यह भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार राज्य को हर संभव सहयोग प्रदान करती रहेगी। उन्होंने कहा कि आदिवासी अंचलों तक सड़कों की पहुँच से न केवल विकास की गति बढ़ेगी, बल्कि इन क्षेत्रों में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन भी आएगा। मुख्यमंत्री साय ने गडकरी को ÷छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047÷ के अंतर्गत राज्य की दीर्घकालिक रणनीति से भी अवगत कराया, जिसमें एकीकृत और पर्यावरण अनुकूल परिवहन प्रणाली विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण एवं सीमावर्ती इलाकों में सड़क संपर्क को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, ताकि प्रत्येक नागरिक तक विकास की पहुँच सुनिश्चित की जा सके।

42 लाख रूपया का चावल, नमक तथा अन्य खाद सामाग्री का गबन करने वाले एक महिला सहित 03 आरोपी गिरफ्तार

थाना चांपा पुलिस की कार्यवाही

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

मामले में।आरोपियों द्वारा शासकीय उचित मुल्य की दुकान बिर्रा रोड, कोटाडबरी चाम्पा के दुकान में किया गया लाखो रूपये का गबन और धोखाधडी। पूर्व मे एक आरोपी सोहन यादव निवासी जगदल्ला चांपा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है।

गिरफ्तार आरोपी- 01. गंगाबाई खांडेकर उम्र 29 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 13 घोघरा नाला चांपा 2. रितेश खांडेकर उम्र 29 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 13 घोघरा नाला चांपा 3. रामेश्वर खांडेकर उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 13 घोघरा नाला चांपा आरोपी के विरूद्ध धारा 318 (4) 316 (5) 3(5) ब्नहस् एवं 3,7 आवश्यक वस्तु अधि0 1955 के तहत कार्यवाही कर भेजा गया न्यायिक रिमाण्ड पर मामले में विकास खण्ड बम्हनीडीह अंतर्गत शासकीय उचित मुल्य दुकान बिर्रा रोड चाम्पा जिसका संचालन पूर्वा महिला स्व सहायता समूह चांपा की अध्यक्ष गंगाबाई खांडेकर व विक्रेता रितेश खांडेकर, शासकीय उचित मूल्य दुकान कोटाडबरी चांपा का संचालन पूर्वा महिला स्व सहायता समूह की अध्यक्ष गंगाबाई खांडेकर व विक्रेता रामेश्वर खांडेकर उर्फराहुल के द्वारा किया जा रहा था दोनों शासकीय मूल्य उचित दुकान की अध्यक्ष गंगाबाई खांडेकर एवं विक्रेता रामेश्वर खांडेकर एवं रितेश खांडेकर के द्वारा दोनों दुकानों से चावल, नमक व अन्य खाद्य सामग्रियों मे हेरफेर तथा गबन कर कुल 42 लाख से ज्यादा रूपये का धोखाधड़ी किया गया है जिसकी सुचना रिपोर्ट पर दिनांक 04.05.2025 को आरोपीयों के विरूद्ध थाना चाम्पा में अपराध धारा पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की पत्रकारों से चर्चा

डीएमएफके फंड में घोटाले के लिये बदलाव किया है

रायपुर /मूक पत्रिका

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारो से चर्चा करते हुये कहा कि कल मंत्री मंडल में डीएमएफ के फंड के खर्च के दायरे को बढ़ा दिया है। हमारा सवाल है यह क्यों किया गया? किसको उपकृत करने के लिये यह किया गया है? पहले से डीएमएफ के लिये जो क्षेत्र निर्धारित थे, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल की समस्या का पूरे प्रदेश में निवारण हो गया है। जब इनमें खर्च करने की आवश्यकता नहीं है जो सरकार नये क्षेत्रो में खर्च करना चाह रही यह दायरा केवल भ्रष्टाचार करने के उद्देश्य से बढ़ाया गया है। साय सरकार के मंत्री डीएमएफ के फंड में लूट मचा कर रखे है। रेत खदानों की ऑनलाइन नीलामी घोटाले पर पर्दा डालने के लिये-प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार ने रेत खदानों के घोटालो और बंदरबांट पर पर्दा डालने के लिये ऑनलाइन नीलामी की घोषणा किया है। इस नये नियम से और ज्यादा भर्राशाही होगी तथा चहेतो को फायदा पहुंचाया जायेगा। ऑनलाईन खदाने देने से पंचायतों का हस्तक्षेप खत्म हो जाएगा और गांव वालों की सहमति के बिना बेतहाशा उत्खनन से गांव में समस्या आयेगी। सरकार ने अनुसूचित क्षेत्र के लिये बनाये गये नियम ÷छत्तीसगढ़ के गौड खनिज उत्खनन एवं व्यवसाय नियम 2023÷ को क्यों समाप्त किया? अनुसूचित क्षेत्र की पंचायतों के अधिकारो में अतिक्रमण करने यह नियम हटाया गया है। अब अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायतों से बिना पूछे ऑनलाईन खदाने दी जायेगी।

ननो की गिरफ्तारी मामले में केरल भाजपा अध्यक्ष के बयान पर सरकार अपना मत स्पष्ट करें-प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि दुर्ग से गिरफ्तार की गयी दो ननो के मामले में केरल भाजपा ने स्पष्ट किया है कि यह कार्यवाही गलत है। सरकार केरल भाजपा अध्यक्ष के बयान के बारे में स्पष्टीकरण जारी करे। केरल भाजपा अध्यक्ष ने साफ कहा है कि ननो मानव तस्करी और धर्मांतरण में शामिल नहीं थी। उनके बयान के बाद यह सवाल उठता है कि क्या भाजपा सरकार उनके खिलाफ लिखे गये एफआईआर को रद्द करेगी?

भाजपा सरकार को किसानों की चिंता नहीं-प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कल साय मंत्रिमंडल की बैठक में प्रदेश में खाद की कमी पर कोई निर्णय नहीं हुआ और न ही मंत्री मंडल ने किसानों को खाद उपलब्ध करवाने के बारे में कोई ठोस कार्य योजना बनाया इससे स्पष्ट होता है कि सरकार को किसानों की कोई चिंता नहीं है। पूरे प्रदेश में इस समय किसानी काम जोरो पर है। लेकिन डीएपी, एन.पी.के जैसे महत्वपूर्ण उर्वरक सोसायटी में नहीं है। खुले बाजार में दुगने दाम पर बिक रहे है। सरकार नींद मं सोई है। सरकार नहीं चाहती किसान पर्याप्त पैदावार ले ताकि धान की खरीदी न करनी पड़े।

केन्द्र सरकार ट्रंप के टैरिफका विरोध करेगी?-प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि ट्रंप ने भारत के उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। इसके अलावा भारी भरकम जुर्माना भी लगाया गया है। ट्रंप के चुनाव में पूरे देश में हवन करने वाली भाजपा आरएसएस बताये कि क्या उसने इसी दिन के लिये ट्रंप की जीत के लिये हवन करवाया था? विश्वगुरू जो अपने आपको ट्रंप का लंगोटिया यार बताते थे इस मामले में देश की जनता को जवाब दें। क्या केन्द्र सरकार ट्रंप के इस अन्यायपूर्ण कदम का विरोध करेगी।

बस्तर प्रवास पर दंतेवाड़ा पहुंची मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, मां दंतेश्वरी के किए दर्शन

प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और प्रगति की कामना की

सुरजपुर/मूक पत्रिका

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े बीते गुरुवार को बस्तर प्रवास के दौरान दंतेवाड़ा स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां के चरणों में प्रदेश की जनता के सुख, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की। मां दंतेश्वरी मंदिर बस्तर अंचल की जनआस्था का प्रमुख केन्द्र है और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार महिला और बाल कल्याण के लिए संकल्पबद्ध है और मां के आशीर्वाद से यह कार्य और मजबूती से आगे बढ़ेगा।

भटगांव एसईसीएल क्षेत्र की करोड़ों की ज़मीन पर बेधड़क अतिक्रमण! जिम्मेदार अधिकारी मौन, सवालों के घेरे में प्रबंधन

सूरजपुर/भटगांव/मूक पत्रिका

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
कार्यालय
महाप्रबंधक
भटगाँव क्षेत्र

स्थित एसईसीएल उपक्षेत्रीय कार्यालय के ठीक पीछे इन दिनों एक चौंकाने वाली सच्चाई धीरे-धीरे ज़मीन के नीचे से नहीं, बल्कि ज़मीन के ऊपर उभर रही है। करोड़ों की कीमत वाली अधिग्रहित भूमि पर धड़ल्ले से हो रहे अतिक्रमण ने यह साबित कर दिया है कि या तो प्रशासन सो रहा है, या फिर मिलीभगत से आंखें मूंदे बैठा है। जिस ज़मीन को एसईसीएल ने वर्षों पहले भूमिगत खनन परियोजना के लिए अधिग्रहित किया था, जहां विस्थापितों को मुआवज़ा, नौकरी और पुनर्वास की योजना के तहत बसाया गया था वही ज़मीन आज कब्जाधारियों की गिरफ्त में धीरे-धीरे खिसक रही है। सबसे गंभीर बात यह है कि यह सब कुछ एसईसीएल के उपक्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय की छाया में, उसकी नाक के नीचे हो रहा है।

15 साल पुराना अधिग्रहण, आज कब्जा योजना' में बदल गया?-दुग्गा क्षेत्र की जिन ज़मीनों का अधिग्रहण 15 वर्ष पूर्व कोल परियोजना के नाम पर किया गया था, उन्हें अब अस्थायी बाड़, हरी नेट और साफ़साफ़कटी झाड़ियों के बीच से कब्जाया जा रहा है। कहीं बांस की खूंटी लगी है, तो कहीं कंटीले तार। दृश्य साफ़ है ज़मीन हथियाने का खेल सुनियोजित और सत्ताभोगियों की शह पर जारी है।

क्या अतिक्रमणकारियों को मिली है प्रशासनिक छूट? इस पूरे मामले में एसईसीएल प्रबंधन की चुप्पी अपने आप में सबसे बड़ा सवाल बनकर खड़ा है। क्या कंपनी को इसकी जानकारी नहीं? या फिर जानबूझकर अनदेखी की जा रही है? कोई भी ज़िम्मेदार अधिकारी अब तक मौके पर पहुंच कर स्थिति की गंभीरता को समझने नहीं गया है।

यह सवाल आम जनता के बीच चर्चा का विषय बन चुका है कि क्या करोड़ों की सरकारी ज़मीन अब खुली लूट का मैदान बन चुकी है?-

कुंभकर्णी' नींद में एसईसीएल, खुलेआम कब्जा कर रहे भूमाफिया-स्थानीय ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो यह अतिक्रमण 'नियमित कब्जा' बन जाएगा और फिर उसे हटाना प्रशासन के बस से बाहर होगा। अधिकारियों की खामोशी को लेकर यह भी आरोप लग रहा है कि इस अतिक्रमण के पीछे 'ऊपर से लेकर नीचे तक' का संरक्षण मौजूद है।

मौन रहना अब अपराध के बराबर-इस पूरे मामले ने एसईसीएल की कार्यप्रणाली, ज़मीन अधिग्रहण नीति और भूमि सुरक्षा की असफलता को उजागर कर दिया है। जिस ज़मीन पर कोयला निकलना था, वह आज राजनीति, प्रशासन और निजी स्वार्थों के बीच खोखली होती जा रही है।

अब ज़रूरत है, प्रशासनिक स्तर पर तुरंत कार्रवाई की अतिक्रमण हटाने का अभियान दोषी अधिकारियों की जांच-सार्वजनिक रिपोर्टिंग और जवाबदेही की प्रक्रिया

आखिर सवाल यही है, करोड़ों की सरकारी ज़मीन पर चल रहे इस कब्जा खेल के असली खिलाड़ी कौन हैं? और स्श्वष्टरु कब जागेगा?

धरना प्रदर्शन कर रहे रसोईयां संघ के बीच पहुंच तुलिका

रसोईयां संघ की मांगों को अनसुना कर मुंह मोड़ रही सरकार : तुलिका कर्मा

हर फैसले में साथ देने का किया वादा, कहा सरकार वादा कर मुकर रही

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ रसोईयां संघ द्वारा तीन सूत्रीय मांगों को लेकर दुर्गा मंडप में धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। इस धरना प्रदर्शन को समर्थन देने जिला पंचायत सदसय तुलिका कर्मा पहुंची। प्रदर्शन में शामिल होकर तुलिका कर्मा ने कहा कि रसोईयों का मानदेय दो हजार रूपए दिया जा रहा है, जो बेहद कम है। कांग्रेस शासन में सरकार ने रसौईयों की इसकी सुध ली थी पर वर्तमान सरकार ने इनसें मुंह मोड़ लिया है। इतने कम मानदेय में रसोईयां संघ अपनी सेवाएं दे रहा है, सरकार को इनके बारे में सोचना चाहिए। जिला पंचायत सदस्य तुलिका ने आगे कहा कि भाजपा सरकार ने घोषणा पत्र में वादा किया था कि सरकार बनते ही इन्हें नियमित किया जाएगा पर अब अपने वादे से मुकर रही है। रसोईयां संघ द्वारा इतने दिनों से बारिश में आंदोलन कर रहा है पर शासन से कोई जनप्रतिनिधि इनकी सुध लेने नहीं पहुंचा है। रसोईयां संघ शिक्षा से जुड़े अभिन्न अंग है। रसोईये अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाते हैं, जिससे हमारे जिले के नौनिहालों को भोजन उपलब्ध हो पाता है। तुलिका ने बताया कि रसोईयां संघ की सभी मांगों को लेकर वह अपने वरिष्ठ नेताओं से बात करेंगी और उनकी सभी मांगों को पूरा करने की मांग की जाएगी। रसोईयां संघ निःस्वार्थ भाव से सेवा दे रहा है, इनकी मांग नहीं सुनना सीधा इनका अपमान है। शासन-प्रशासन को इनकी बातें सुनना चाहिए ताकि इनकी मांगों का कोई हल निकले। तुलिका ने रसोईयां संघ को आश्वस्त करते हुए कहा कि वह हर कदम में उनके साथ हैं। संघ की लड़ाई में कदम से कदम मिलाकर उनके साथ खड़ी हैं।

सरगांव गौवंश हादसा : प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा

घायल पशुओं को उपचार के लिए भेजा गया, यातायात व्यवस्था सामान्य

मूक पत्रिका/मुंगेली - विकासखण्ड पथरिया के रायपुर-बिलासपुर मार्ग पर स्थित सरगांव के समीप बाजार चौक ग्राम किरना में एक वाहन दुर्घटना में 15 गौवंश पशुओं की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु हो गई एवं 03 अन्य गौवंश घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन सक्रिय हो गया। कलेक्टर कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पांडेय, अपर कलेक्टर जी.एल.यादव, एसडीएम पथरिया अजय कुमार शतरंज, उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. आर. एम. त्रिपाठी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित प्रशासनिक एवं तकनीकी टीम मौके पर पहुँची। घायल पशुओं को तत्काल उपचार हेतु पशु चिकित्सकों की देखरेख में भेजा गया। वहीं मृत पशुओं का पोस्टमार्टम कर उन्हें सरगांव के समीप निर्धारित स्थल पर दफ़नाया गया। प्रशासन एवं पुलिस के संयुक्त प्रयास से दुर्घटनास्थल पर सड़क को शीघ्र साफ किया गया और यातायात व्यवस्था पुनः सामान्य कर दी गई। जिला प्रशासन द्वारा घटना की विस्तृत जांच कराई जा रही है तथा आगे की आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टरएवं पुलिस अधीक्षक ने इस संवेदनशील घटना को गंभीरता से लेते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु सभी संबंधित विभागों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।